राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष: 11 अंक: 176 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, शुक्रवार , 07 जनवरी 2022 मूल्य: 1.50/-

योगी ने नवचयनित नायब तहसीलदारों, सहायक अध्यापकों को प्रदान किये नियुक्ति पत्र

पहले नियुक्तियां होती थी तो वसूली को निकल पड़ते थे महाभारत के पात्र– योगी

(एजेंसी)

लखनऊ। युवाओं को सरकारी नौकरी देने के क्रम में आज सीएम योगी आदित्यनाथ ने नायब तहसीलदार, सहायक अध्यापक पद पर भर्ती हुए अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से चयनित 57 नायब तहसीलदारों, माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधीन राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के 141 प्रवक्ताओं और 69 सहायक

अध्यापकों को गुरुवार को लोक भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में नियुक्ति पत्र सौंपे।उनके साथ उप मुख्यमंत्री डा दिनेश शर्मा तथा राज्य मंत्री गुलाबो देवी भी रही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकारी नौकरियों में भर्तियों को लेकर पिछली सरकारों पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले जब नियुक्तियां होती थी तो चाचा, भतीजा, भांजे, महाभारत के सभी पात्र वसूली को निकल पड़ते थे। गांव-गांव में उनके ठेके और वसूली के अड्डे चलते थे।

वसूली वे करते थे और बलि का बकरा अधिकारी बनते थे। पहले की सरकारों की नीयत साफ नहीं थी। वे ईमानदार नहीं थी। जो अपने प्रति ईमानदार नहीं होगा, वह आपके प्रति और व्यवस्था के प्रति क्या ईमानदार होगा। इसी कारण उत्तर प्रदेश पिछड़ता चला गया। प्रदेश में आस्था से खिलवाड़ होने लगा। यहां पर पर्व और त्यौहार नहीं मनाया जाते थे।

युवाओं के सामने पहचान का संकट था। हमने पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से 4.5 लाख भर्तियां की। सिर्फ उच्च, माध्यमिक और बेसिक शिक्षा में ही मिलाकर अब तक हमारी सरकार ने पौने दो लाख से ज्यादा शिक्षकों की भर्ती की है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नियुक्ति पत्रों देने के साथ ही इन सभी को ईमानदारी से काम करने का संकल्प भी दिलाया। इनमें माध्यमिक शिक्षा विभाग के प्रवक्ताओं व सहायक अध्यापकों भी थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज नायब तहसीलदारों में 57 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया जा रहा है। राजकीय महाविद्यालयों के 141 प्रवक्ता और 69 सहायक अध्यापकों को भी नियुक्ति पत्र प्रदान किया जा रहा है। यह आप सबके लिए गौरव का क्षण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक समय सीमा में प्रक्रिया पूरी करके चयन किया गया। चयन में किसी प्रकार की सिफारिश, लेनदेन व किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया है।

प्रदेश में राजस्व विभाग के नवनियुक्त नायब तहसीलदारों और माध्यमिक शिक्षा विभाग के नवनियुक्त प्रवक्ता व सहायक अध्यापकों को हृदय से बधाई देता हूं। अब आप उत्तर प्रदेश सरकार का हिस्सा बनने जा रहे हैं, इसके लिये सबका अभिनंदन करता हूं।

यूपी चुनाव में योगी बनाएंगे रिकॉर्ड या दोहराया जाएगा पुराना इतिहास

संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने है। राजनीतिक लिहाज से देखें तो उत्तर प्रदेश अपने आप में बेहद ही दिलचस्प राज्य है। उत्तर प्रदेश ऐसा राज्य है जहां की राजनीतिक परिस्थितियों से ही देश की राजनीति तय होती है। इतना ही नहीं, केंद्र की सत्ता में अगर किसी पार्टी को अपना दबदबा बरकरार रखना है तो उत्तर प्रदेश उसके लिए सबसे बड़ी चुनौती है। वैसे तो उत्तर प्रदेश में अब तक 21 मुख्यमंत्री हो चुके हैं। आजादी के बाद से ही उत्तर प्रदेश हमेशा राजनीति का केंद्र रहा है। जब देश में कांग्रेस का दबदबा था तब उत्तर प्रदेश में भी कांग्रेस की तूती बोलती थी। जब जनता पार्टी आई तो भी उत्तर प्रदेश में हमने बदलाव देखा और भाजपा के वर्चस्व के समय में भी उत्तर प्रदेश पर भगवा का खुमार देखा गया। उत्तर प्रदेश की कमान भाजपा और कांग्रेस जैसी पार्टियों को भी मिल चुकी है जबकि बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी जैसे क्षेत्रीय दलो का दबदबा भी

देखने को मिल चुका है। उत्तर प्रदेश हमेशा राजनीति का प्रयोगशाला माना जाता है। वर्तमान में यहां भाजपा का शासन है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं। उन्हीं के नेतृत्व में भाजपा चुनावी मैदान में उतरने वाले हैं। हालांकि अब तक उत्तर प्रदेश में सबसे लंबे समय तक मायावती ही मुख्यमंत्री रही हैं। मायावती ने कुल 7 वर्ष 16 दिन मुख्यमंत्री रही हैं। इसके बाद मुलायम सिंह यादव 6 वर्ष 274 दिन मुख्यमंत्री रहे हैं। सबसे कम समय के लिए त्रिभुवन नारायण सिंह मुख्यमंत्री रहे हैं। वह 167 दिनों के लिए मुख्यमंत्री बने थे। योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के फिलहाल मुख्यमंत्री हैं। वह भाजपा के कद्दावर नेता भी हैं। योगी आदित्यनाथ की पहचान प्रखर और तेज तर्रार नेता के रूप में होती है। हिंदुत्व को लेकर वह लगातार मुखर रहते हैं। योगी आदित्यनाथ गोरक्षनाथ मंदिर के महंत भी हैं। 19 मार्च 2017 को उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर कमान संभाली। फिलहाल उन्हीं के नेतृत्व में भाजपा चुनावी मैदान में उतरने वाली है। 49 वर्षीय योगी आदित्यनाथ 1998 में पहली बार चुनावी राजनीति में आए। मात्र 26 साल की उम्र में उन्होंने गोरखपुर से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। वह लगातार पांच बार गोरखपुर से सांसद रह चुके हैं। 1998 से लेकर 2017 तक वह सांसद रहे। फिलहाल वह उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य हैं। दलित राजनीति के दम पर उभरने वाली मायावती उत्तर प्रदेश का नेतृत्व करने वाली दूसरी महिला मुख्यमंत्री बनीं। पहली बार 3 जून 1995 से लेकर 18 अक्टूबर 1995 तक वह मुख्यमंत्री रहीं। इसके बाद दोबारा उन्हें 21 मार्च 1997 से लेकर 21 सितंबर 1997 तक मुख्यमंत्री रहने का मौका मिला। उत्तर प्रदेश के चार बार मुख्यमंत्री रहने वाली मायावती हरोरा से चुनाव जीती थीं। तीसरी बार उन्हें 3 मई 2002 से 29 अगस्त 2003 तक मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला। जबकि चौथी बार वह 13 मई 2007 से लेकर 15 मार्च 2012 तक मुख्यमंत्री रहीं। उत्तर प्रदेश की राजनीति करवट ले रही थी और मुलायम सिंह यादव का उदय हो रहा था। जनता दल की सरकार का नेतृत्व करते हुए मुलायम सिंह यादव ने राज्य की कमान 5 दिसंबर 1989 से लेकर 24 जून 1991 तक संभाली। वह यशवंत नगर से चुनाव जीतकर विधायक बने थे। समाजवादी पार्टी के गठन के बाद मुलायम सिंह यादव ने फिर से 4 दिसंबर 1993 से लेकर 3 जून 1995 तक राज्य में शासन किया। इसके बाद मुलायम सिंह यादव 29 अगस्त 2003 से लेकर 13 मई 2007 तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। वर्तमान में देश के रक्षा मंत्री और गृह मंत्री रह चुके राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश में भी मुख्यमंत्री का दायित्व निभाया है। 28 अक्टूबर 2000 से लेकर 7 मार्च 2002 तक उन्होंने राज्य में भाजपा सरकार का नेतृत्व किया है। वह हैदर गढ़ से विधायक थे।अखिलेश यादव- समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने 15 मार्च 2012 को राज्य में कमान संभाली और 19 मार्च 2017 तक वह राज्य के मुख्यमंत्री रहे। वर्तमान में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष है और राज्य में मुख्य विपक्षी पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं।

गुजरात में रसायन से भरा टैंकर लीक

जहरीले धुएं की चपेट में आने से 6 मजदूरों की मौत, 22 अस्पताल में भर्ती

(एजेंसी) सूरत। गुजरात के सूरत जिले में बृहस्पतिवार को एक फै क्टरी के पास खड़े रसायन से भरे टैंकर से कथित तौर पर निकले जहरीले धुएं की चपेट में आने से कारखाने के छह मजदूरों की मौत हो गई और करीब 22 अन्य अस्पताल में भर्ती हैं। सूरत नगर निगम (एसएमसी) के प्रभारी मुख्य दमकल अधिकारी बसंत पारीक ने बताया कि हादसे के समय मजदूर सचिन औद्योगिक क्षेत्र स्थित रंगाई कारखाने में सो रहे थे। उन्होंने बताया कि दमकल विभाग को सुबह करीब चार बजकर 25 मिनट पर घटना की सूचना मिली। जहरीला धुआं सांस लेते समय शरीर में जाने से करीब 25-26 मजदूर बेहोश हो गए थे, यह धुआं कारखाने के पास खड़े एक टैंकर से निकल रहा था। मजदूरों को 'न्यू सिविल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। सिविल अस्पताल

के रेजिडेंट चिकित्सा अधिकारी ओंकार चौधरी ने कहा, '' छह मजदूरों की मौत हो गई है, जबकि 22 अन्य का इलाज चल रहा है। पारीक ने बताया कि बाद में दमकल विभाग ने गैस का रिसाव रोकने के लिए टैंकर के 'वॉल्वश् को बंद कर दिया। एसएमसी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि टैंकर से रसायन को अवैध रूप से निकालने का काम किया जा रहा था, तभी उसमें से जहरीली गैस का रिसाव हुआ और वह आसपास के इलाकों में फै ल गई। इससे रंगाई एवं छपाई मिल और आसपास के इलाकों में मौजूद 26 मजदूर बेहोश हो गए, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत कोरोना पॉजिटिव, ट्वीट कर दी जानकारी

(एजेंसी) जयपुर। राजस्थान कोरोना के कहर जारी है। कोरोना केसेज की बेहताशा बढ़ोतरी ने लोगों की नींद उड़ा दी है। राजधानी जयपुर और प्रदेश के दूसरे सबसे बड़े शहर जोधपुर के साथ ही ख्वाजा की नगरी अजमेर भी हॉट स्पॉट बनने की ओर अग्रसर हो गया है। अब कोरोना ने सूबे के मुख्यमंत्री को भी अपनी चपेट में ले लिया है। राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। जिसकी जानकारी उन्होंने खुद ही ट्विट करके दी है। अशोक गहलोत ने ट्वीटर पर

लिखा कि आज शाम मैंने अपना कोविड टेस्ट करवाया जो पॉजिटिव आया है। मेरे बेहद हल्के लक्षण हैं एवं कोई अन्य परेशानी नहीं है। आज मेरे संपर्क में आए सभी लोगों से निवेदन है कि वे स्वयं को आइसोलेट कर लें एवं अपना कोविड टेस्ट अवश्य करवाएं। आज शाम मैंने अपना कोविड टेस्ट करवाया जो पॉजिटिव आया है। मेरे बेहद हल्के लक्षण हैं एवं कोई अन्य परेशानी नहीं है। आज मेरे संपर्क में आए सभी लोगों से निवेदन है कि वे स्वयं को आइसोलेट कर लें एवं अपना कोविड टेस्ट अवश्य करवाएं। राजस्थान में 5 जनवरी को 1883 और नये कोरोना वायरस संक्रमित मरीज पाये गये है जिससे राज्य में अब तक संक्रमितों की संख्या बढ कर 9,60,453 हो गई है। वहीं बुधवार को संक्रमण से दो और व्यक्तियों की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग ने इसकी जानकारी दी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि राज्य में बुधवार को 1883 कोरोना वायरस संक्रमण के नये मामले सामने आये है। इनमें 1138 मामले जयपुर में, जोधपुर में 230, अजमेर में 94, अलवर में 79, कोटा में 53, भरतपुर-सीकर में 36-36, बीकानेर में 34 मामले शामिल है। उन्होंने बताया कि बुधवार को जोधपुर और जयपुर में एक एक संक्रमित मरीजों की मौत हो गयी जिससे राजधानी राज्य में अब तक इस घातक संक्रमण से मरने वालों की संख्या 8967 हो गई है।

'बुली बाई' मामला: दिल्ली पुलिस ने असम से 21 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया

(एजेंसी) नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 'बुली बाई' मामले में 'मुख्य साजिशकर्ता को असम से गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान नीरज बिश्नोई (21) के रूप में हुई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बिश्नोई गिटहब प्लेटफ ॉर्म पर 'बुली बाई' ऐप को बनाने वाला और मुख्य साजिशकर्ता है तथा वह ट्विटर पर 'बुली बाई का मुख्य अकाउंट होल्डर भी है। आरोपी को दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस (आईएफ एसओ) इकाई ने गिरफ्तार किया

है। मामले में यह चौथी गिरफ्तारी है। मामले की जांच कर रहे मुंबई पुलिस के साइबर प्रकोष्ठ ने अब तक तीन गिरफ्तारियां की हैं। मुंबई पुलिस ने मामले में उत्तराखंड से 19 वर्षीय महिला, 21 वर्षीय इंजीनियरिंग के छात्र को बेंगलुरु से और उत्तराखंड से ही 21 वर्षीय अन्य युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार 19 वर्षीय महिला को मुख्य अपराधी माना जा रहा है।'बुली बाई' मोबाइल ऐप्लिकेशन पर 'नीलामी' के लिए सैकड़ों मुस्लिम महिलाओं का नाम डाला गया था और बिना अनुमति के उनकी तस्वीरें लगाई गई थीं। तस्वीरों से छेड़छाड़ भी की गई थी। यह ऐप 'सुली डील' का ही रूप प्रतीत होता है, जिससे पिछले साल इसी तरह का विवाद पैदा हुआ था। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को एक महिला पत्रकार की कथित रूप से छेड़छाड़ की गई तसवीर को वेबसाइट पर अपलोड करने के आरोप में अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। पत्रकार ने शिकायत दर्ज कराई थी और इसकी एक प्रति ट्विटर पर साझा की थी।

गडकरी ने करिश्माई काम किया: राजनाथ सिंह

लखनऊ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सड़क परिवहन तथा राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने उत्तर प्रदेश में विभिन्न विकास योजनाओं का शुभारंभ किया। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी संबोधित किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस एक इकोनॉमिक कॉरिडोर है। इससे विकास के नए आयाम खुलेंगे। गडकरी ने करिश्माई काम किया है। पहले 6 से 8 किलोमीटर की सड़कों का काम प्रतिदिन होता था। लेकिन अब प्रतिदिन 30 से 40 किलोमीटर का काम हो रहा है।केंद्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी बुधवार को लखनऊ अमौसी मेट्रो स्टेशन के पास 7506 करोड़ रुपए की लागत की

परियोजनाओं का लोकार्पण ध् शिलान्यास करने पहुंचे। गडकरी ने कहा कि हमारे पास द्रौपदी की थाली की तरह खजाना है पैसों की कोई कमी नहीं है। अगले पांच साल में यूपी की सड़कों के लिए 5 लाख करोड़ रुपए देंगे। अमेरिका से ज्यादा सड़कें अकेले यूपी में होंगी। गडकरी बोले कि गोरखपुर से पश्चिम बंगाल तक ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे बनेगा। जिसकी कीमत 32 हजार करोड़ होगी। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी,रक्षामंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ओजस्वी उद्बोधन सुनने के लिए 15,000 से अधिक नागरिक बीजेपी कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, महिलाएं, गोमतीनगर की देवतुल्य सैकड़ो जनता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंत्री कौशल किशोर, डॉ दिनेश शर्मा केशव प्रसाद मौर्य, संयुक्ता भाटिया,बृजेश पाठक, आशुतोष टंडन, स्वाती सिंह,मुकेश शर्मा, नीरज सिंह, त्रिलोक अधिकारी, प्रवीण गर्ग के साथ रक्षा मंत्री के ओएसडी के पी सिंह, प्रतिनिधि दिवाकर त्रिपाठी, जनसंपर्क अधिकारी राघवेंद्र शुक्ला पहुंचे। श्री नितिन गडकरी ने रक्षा मंत्री के अनुरोध पर समता मूलक चौराहा, कुकरैल कल्याणपुर मुंशी पुलिया आईआईएम तिराहा अवध विहार अंडर आज तेलीबाग शनि मंदिर दुबग्गा आदि पर फ्लाईओवर एवं मोहान रोड फेरलेन जुनाबगंज मोहनलालगंज फेरलेन को भारत माला लखनऊ - अयोध्या को 6 लेन करने, लखनऊ -कानपुर एक्सप्रेस वे के साथ कई अन्य परियोजनाएं लखनऊ की व कानपुर का लोकार्पण शुभारंभ/ शिलान्यास भी किया. अंत में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नितिन गडकरी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भूरि - भूरि प्रशंसा की तथा जनता को धन्यवाद दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति कोविंद को अपने पंजाब दौरे के दौरान सुरक्षा चूक की जानकारी दी

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पंजाब दौरे के दौरान सुरक्षा में हुई चूक के बारे में बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को जानकारी दी जिन्होंने इस गंभीर घटना पर चिंता व्यक्त की। राष्ट्रपति भवन ने राष्ट्रपति कोविंद के हवाले से ट्वीट में यह जानकारी दी और मुलाकात के चित्र भी साझा किए। ट्वीट के अनुसार, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और एक दिन पहले पंजाब दौरे के दौरान हुई सुरक्षा चूक की घटना के बारे में जानकारी ली । इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति ने (प्रधानमंत्री की) सुरक्षा में चूक को लेकर चिंता व्यक्त की। मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया,'' राष्ट्रपति जी से भेंट की। उनकी ओर से चिंता व्यक्त करने के लिये आभार। उनकी शुभकामनाओं के लिये आभारी हूं जो हमेशा शक्ति का स्रोत रहे हैं। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे

पर हुई सुरक्षा में चूक को लेकर बृहस्पतिवार को चिंता जताई और इस सिलसिले में उनसे बात भी की। उपराष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी एक ट्वीट के मुताबिक, नायडू ने कहा कि प्रधानमंत्री के सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए कठोर कदम उठाए जाएं, जिससे भविष्य में दोबारा इस प्रकार की चूक ना हो। गौरतलब है कि पंजाब के दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में बुधवार को उस वक्त चूक की घटना हुई, जब फिरोजपुर में कुछ प्रदर्शनकारियों ने उस सड़क मार्ग को अवरुद्ध कर दिया जहां से उन्हें गुजरना था। इस वजह से प्रधानमंत्री एक फ्लाईओवर पर करीब 20 मिनट तक फंसे रहे। घटना के बाद प्रधानमंत्री किसी कार्यक्रम में शामिल हुए बिना दिल्ली लौट आए। हालांकि, पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा में कोई चूक नहीं हुई और इसके पीछे कोई राजनीतिक मंशा नहीं थी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनकी सरकार किसी भी जांच को तैयार है।

महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार बेलगाम है: अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार बेलगाम है। संवैधानिक संस्थाएं लगातार कमजोर होती जा रही हैं। भाजपा लोकतंत्र को कैद करना चाहती है। समाजवादी पार्टी लोकतंत्र की बेड़ियों को तोड़ने की लड़ाई लड़ रही है। अब जनता को भाजपा से उत्तर प्रदेश को मुक्त कराकर ही चौन आएगा। देश-प्रदेश की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है किन्तु भाजपा राज में किसान और खेती सर्वाधिक उपेक्षित हैं। भाजपा के वादे के अनुसार उसे फसल का लाभप्रद मूल्य नहीं मिला। आय दोगुनी होने के कहीं आसार नहीं दिख रहे हैं। उल्टे लखीमपुर में किसानों को जीप से कुचल दिया गया। साल भर किसान तीन काले कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन करते रहें। इस दौरान सात सौ से ज्यादा किसानों की दर्दनाक मौत हो गई। जनता और किसानों के दबाव में केन्द्र की भाजपा सरकार को तीन कृषि कानून वापस लेने पड़े अन्यथा इनके लागू होने पर किसान की खेती भी चली जाती और वह स्वामी के बजाय खेतिहर मजदूर बन जाता।

भाजपा ने रोजगार का वायदा किया था लेकिन नौजवानों को रोजगार तो मिला नहीं तमाम औद्योगिक संस्थानों से उनकी बड़े पैमाने पर छुट्टी कर दी गई।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा के 6 और जिलों में सिनेमा हॉल, मल्टीप्लेक्स 12 जनवरी तक बंद करने के आदेश

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में बढ़ते कोविड मामलों के बीच सरकार ने 12 जनवरी तक 6 और जिलों में सिनेमा हॉल, मल्टीप्लेक्स और खेल परिसरों को बंद करने का आदेश दिया है। यह 6 जिले करनाल, पानीपत, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, रोहतक और झज्जर हैं। उल्लेखनीय है कि गुरुग्राम, फ रीदाबाद, अंबाला, पंचकूला और सोनीपत में 2 से 12 जनवरी तक प्रतिबंध लगाए गए थे। हरियाणा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से बुधवार को जारी ताजा आदेश के मुताबिक सभी 11 जिलों में 12 जनवरी को सुबह 5 बजे तक पाबंदियां लागू रहेंगी। आदेश में कहा गया है कि सिनेमा हॉल, थिएटर और मल्टीप्लेक्स बंद रहेंगे। शाम 6 बजे तक मॉल और बाजारों को खोलने की अनुमति होगी। हालांकि, दूध और दवा की दुकानों जैसी आवश्यक वस्तुओं को बेचने वाली दुकानों को हर समय खोलने की अनुमति दी जाएगी। पांच जिलों में पूर्व में लगाई गई पाबंदियों के मुताबिक मॉल और बाजारों को बंद करने का समय शाम 5 बजे था।

मौसम में सुधार के बाद श्रीनगर हवाई अड्डे से उड़ानें शुरू

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर में मौसम में सुधार के बाद हवाई अड्डे से उड़ानें बृहस्पतिवार को फिर से शुरू हो गई हैं। भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि खराब दृष्यता के कारण तड़के की कुछ उड़ानों में देरी हुई। उन्होंने बताया कि अब हवाई अड्डे से उड़ानों का सामान्य संचालन हो रहा है। बर्फबारी और खराब दृष्यता के कारण बुधवार को कश्मीर से तय 42 में से 37 उड़ानें रद्द करनी पड़ी थीं। मंगलवार को भी उड़ानें बुरी तरह प्रभावित हुई थीं।

उत्तराखंड आदर्श राज्य बनकर रहेगा, दुनिया की कोई ताकत हमें नहीं रोक सकती: राजनाथ सिंह

उत्तरकाशी (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तरकाशी में विजय संकल्प यात्रा के दौरान कहा कि 5 साल में कभी आदर्श राज्य नहीं बन सकता, जो कहता है झूठ बोलता है। मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि 5 साल का और समय दे दीजिए उत्तराखंड आदर्श राज्य बनकर रहेगा, दुनिया की कोई ताकत हमें नहीं रोक सकती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कल हमारे प्रधानमंत्री पंजाब गए थे, जहां कांग्रेस की सरकार है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि भारत का प्रधानमंत्री जाता हो और उसकी सुरक्षा में चूक हो जाए। हम भी मुख्यमंत्री रहे हैं लेकिन ऐसी घिनौनी राजनीति हमने जिंदगी में कभी स्वीकार नहीं की।

नोएडा में कोरोना वायरस के 603 नए मामले, कुल मामले 65,225

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस के 603 नए मरीजों की पुष्टि हुई जो 6 महीने में सबसे ज्यादा है। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ सुनील दोहरे ने बताया कि जिले में कोविड-19 के कुल मामले 65,225 हो गए हैं, जबकि वायरस के कारण 468 लोगों की जान जा चुकी है। बीते 24 घंटे में संक्रमण के कारण किसी भी मरीज ने दम नहीं तोड़ा है। उन्होंने बताया कि संक्रमण का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या बढ़कर 1708 हो गई है। दोहरे ने बताया कि इस समय संक्रमण का इलाज करा रहे 90 प्रतिशत मरीज शहरी इलाकों से हैं।

सार समाचार

बगदाद हवाई अड्डे के पास सैन्य अड्डे पर रॉकेट से हमला, कोई हताहत नहीं

बगदाद। बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार को इराकी सैन्य ठिकाने पर एक कत्यूषा रॉकेट आ कर गिरा। इस सैन्य ठिकाने में अमेरिकी सैनिक रहते हैं। इराकी सेना ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि हमले में जान माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। ईरान के शीर्ष जनरल कासिम सुलेमानी की अमेरिकी हवाई हमले में बगदाद में मौत के सोमवार को दो वर्ष होने के बाद से ये तीसरा हमला है। इराकी सेना ने बयान में कहा कि एक रॉकेट लॉन्चर और एक रॉकेट पश्चिमी बगदाद में रिहायशी इलाके में मिला।उस इलाके का इस्तेमाल अतीत में ईरान समर्थित लड़ाके हवाई अड्डे पर रॉकेट दागने के लिए करते थे। सोमवार को दो सशस्त्र ड्रोन को उस वक्त मार गिराया गया जब वे बगदाद हवाई अड्डे पर अमेरिकी सलाहकार के आवास की ओर बढ़ रहे थे। इसके बाद मंगलवार को भी विस्फोटक लदे दो ड्रोन को भी मार गिराया गया था।

अमेरिकी परमाणु वाहक पोत की कमान संभालने वाली पहली महिला बनीं नौसेना की कै. एमी बौर्नश्मिट

सैन डिएगो (अमेरिका)। अमेरिका नौसेना का विमानवाहक पोत ह्यूएसएस अब्राहम लिंकनह्ल, कै एमी बौर्नश्मिट की कमान में इस सप्ताह तैनाती के लिए सैन डिएगो से रवाना हुआ। इसी के साथ बौर्नश्मिट अमेरिकी नौसेना के इतिहास में किसी परमाणु वाहक का नेतृत्व करने वाली पहली महिला बन गईं। सन 2016 से 2019 के बीच 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' की कार्यकारी अधिकारी के रूप में पहले सेवाएं दे चुकीं बौर्नश्मिट ने पिछले साल अगस्त में एक समारोह के दौरान कै वाल्ट स्लाटर से कमान अपने हाथ में ली थी। विमान वाहक पोत अब्राहम लिंकन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के हिस्से के रूप में सोमवार को नेवल एयर स्टेशन नॉर्थ आइलैंड से तैनात किया गया। अमेरिकी नौसेना के बयान के अनुसार, बौर्नश्मिट ने कहा कि जब आपको पता चलता है कि आपको उन लोगों की देखभाल का काम दिया गया है, जिन्हें राष्ट्र की सुरक्षा के लिए चुना गया है, तो जिम्मेदारी का इससे अधिक विनम्र भाव और कुछ नहीं हो सकता।

न्यायाधीश ने एंड्रयू के वकील की अधिकतर दलीलों को खारिज किया

न्यूयॉर्क । यौन शोषण के आरोपी प्रिंस एंड्रयू के खिलाफ मामले की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने एंड्रयू के वकील की अधिकतर दलीलों को खारिज कर दिया।महिला ने मुकदमा दायर कर आरोप लगाया है कि जब वह 17 साल की थी तब प्रिंस एंड्रयू ने उसका यौन शोषण किया था। अमेरिकी अदालत जज लुईस ए कापलान ने सुनवाई खत्म होने पर तुरंत फैसला नहीं सुनाया, लेकिन उन्होंने जिस प्रकार से प्रिंस के वकील एंड्रयू ब्रेटलर की ज्यादातर दलीलों को खारिज किया, उससे यह स्पष्ट है कि वह एंड्रयू के पक्ष में दी गई दलीलों से संतुष्ट नहीं हैं। ब्रेटलर ने कहा था कि मामला खारिज करने योग्य है। लेकिन न्यायाधीश कापलान ने बार-बार ब्रेटलर की दलीलों को खारिज कर दिया। न्यायाधीश ने निर्देश दिया कि मामले में संभावित सबूतों का आदान-प्रदान निर्धारित समय के अनुसार हो। पीड़ता वर्जीनिया गिफ्रे ने अगस्त में प्रिंस एंड्रयू पर मुकदमा दायर करते हुए आरोप लगाया था कि 2001 में एपस्टीन और गिलेन मैक्सवेल की मदद से प्रिंस ने उनका यौन शोषण किया था। गिफ्रे की ओर से पेश हुए अटॉर्नी डेविड बोइस ने मुकदमे को खारिज करने के खिलाफ दलील दी। यौन शोषण के लिए महिलाओं की तस्करी के आरोपी 66 वर्षीय एपस्टीन ने 2019 में मैनहट्टन जेल में आत्महत्या कर ली थी, जबकि 60 वर्षीय मैक्सवेल को पिछले हफ्ते न्यूयॉर्क में संघीय अदालत में यौन शोषण के लिए महिलाओं की तस्करी और साजिश का दोषी ठहराया गया था।

इजराइली पीएम नफ्ताली बेनेट ने कहा, टीके की चौथी खुराक एंटीबॉडी में पांच गुना वृद्धि करती

यरूशलम । इजराइली प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने कहा कि कोरोना के खिलाफ टीके की चौथी खुराक के संबंध में प्रारंभिक आंकड़ों से साफ होता है, कि यह कोरोना से लड़ने वाले एंटीबॉडी में पांच गुना वृद्धि करता है। बेनेट ने शेबा मेडिकल सेंटर की यात्रा के दौरान यह बात कही। जहां इजराइल ने पिछले सप्ताह दूसरी बूस्टर खुराक का परीक्षण शुरू किया। इजराइल 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों तथा कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों को फाइजर टीके की चौथी खुराक की पेशकश कर रहा है, और ऐसा करने वाला वह पहला देश है। बेनेट ने कहा कि शुरूआती नतीजे बताते हैं कि चौथी खुराक तीसरी खुराक जितनी ही सुरक्षित है।इजरायल की 95 लाख की आबादी में से आधे हिस्से को पहले ही तीसरी खुराक दी जा चुकी है।

गैस की बढ़ती कीमतों से भड़की जनता हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद सरकार ने इस्तीफा दे दिया

अल्माटी । कजाखस्तान में गैस की बढ़ती कीमतों से भड़की जनता के हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद सरकार ने इस्तीफा दे दिया है। कजाखस्तान के राष्ट्रपति कासम झोमार्ट ने प्रधानमंत्री अस्कार मामिन के इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है। इस बीच राष्ट्रपति की ओर से देश के सबसे बड़े शहर अल्माटी और पश्चिमी में दो सप्ताह के लिए आपातकाल की घोषणा कर दी गई है। आपातकाल के तहत रात के 11 बजे से सुबह के 7 बजे तक के लिए कर्फ्यू लगाकर वाहनों के आवागमन को प्रतिबंधित कर दिया गया है।यही नहीं लोगों के बड़े पैमाने पर इकट्ठा होने पर भी बैन लगाया है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार और सेना पर हमले के लिए आह्वान करना पूरी तरह से अवैध है। सरकार नहीं गिरेगी लेकिन हम चाहते हैं कि आपसी विश्वास हो और संवाद न कि विवाद। राष्ट्रपति यह बयान दे रहे थे, इनदिनों अल्माटी में पुलिस प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले और सुन्न करने वाले ग्रेनेड दाग रही थी। पुलिस की कोशिश थी कि हजारों की तादाद में मौजूद प्रदर्शनकारी मेयर के कार्यालय में न घुस पाएं। तेल से समृद्ध इस देश में सरकार ने मंगलवार देर शाम को ऐलान किया कि वह एलपीजी की कीमतों को बहाल कर रही है। इससे पहले नए साल पर अपनी तरह के दुर्लभ प्रदर्शन में प्रदर्शनकारी एलपीजी की कीमतों में वृद्धि के बाद प्रदर्शन करते हुए अल्माटी शहर पहुंच गए थे। इन प्रदर्शनों के बाद सरकार ने इस्तीफा दे दिया है और राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 70 के तहत इस इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है।

शुरूवाती दौर में गर्भवती महिलाओं के वैक्सीन लेने से जोखिम में वृद्धि नहीं होती

अटलांटा । अमेरिकी सरकार की ओर से गर्भवती महिलाओं के कोरोना वैक्सीन पर प्रकाशित आंकड़ों में बताया गया है, कि टीकाकरण के कारण, समय से पहले जन्म या नवजात का आकार सामान्य से छोटा होने की आशंका नहीं बढ़ती है। रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र की रिपोर्ट 46,000 गर्भवती महिलाओं पर है। इसमें 10,000 महिलाएं ऐसी हैं, जिन्होंने गर्भावस्था के दौरान टीके की कम से कम एक खुराक ली है। इन आंकड़ों के अनुसार, समय से पहले जन्म दर 100 में सात है, जो कि दोनों समूह में तुलनीय है।वहीं बच्चों का आकार सामान्य से कम होने के संदर्भ में यह दर 100 में आठ बच्चे है।

फेडिरिक्सबर्ग में हुए एक हादसे के बाद बर्फबारी के बीच ही कतार में लगे वाहन।

ट्रंप ने फ्लोरिडा में छह जनवरी को होने वाले अपने संवाददाता सम्मेलन को किया रद्द

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद भवन) पर हमले का एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन रद्द कर दिया है। यह संवाददाता सम्मेलन फ्लोरिडा में छह जनवरी को होने वाला था। ट्रंप ने मंगलवार शाम एक बयान में कहा कि संवाददाता सम्मेलन के बजाय वह इस महीने के अंत में एरिजोना में एक रैली में अपनी बात लोगों के सामने रखेंगे। ऐसा माना जा रहा था कि संवाददाता सम्मेलन में ट्रंप छह जनवरी की घटनाओं की जांच कर रही कांग्रेस कमेटी के खिलाफ अपनी बात रखेंगे। गौरतलब है कि ट्रंप ने तीन नवंबर 2020 को हुए राष्ट्रपति चुनाव में हार स्वीकार नहीं की थी और उन्होंने चुनाव में धोखाधड़ी के आरोप लगाए थे। ट्रंप के इन आरोपों के बीच संसद भवन पर उनके समर्थकों ने छह जनवरी को कथित तौर पर हिंसा की थी। ट्रंप ने कहा, ह्यह्य छह जनवरी के मामले पर डेमोक्रेट्स की अचयनित समिति, दो असफल रिपब्लिकन और ह्यफेक न्यूज मीडियाह्ल के पूर्वाग्रह और झूठ को देखते हुए, मैं छह जनवरी को मार-ए-लागो में अपने संवाददाता सम्मेलन को रद्द कर रहा हूं और इसके बजाय कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर 15 जनवरी को एरिजोना में मेरी रैली के दौरान बात करूंगा।

सूडान में प्रधानमंत्री के इस्तीफे के बाद उथल-पुथल के बीच तख्तापलट विरोधी प्रदर्शन जारी

काहिरा। (एजेंसी)

सूडान में इस सप्ताह की शुरूआत में प्रधानमंत्री के इस्तीफे के बाद देश में मची उथल-पुथल के बीच राजधानी खार्तूम और अन्य शहरों में लोग तख्तापलट के विरोध में सड़कों पर उतर आए। सुरक्षा बलों ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन के आसपास के क्षेत्र सहित राजधानी में कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। राष्ट्रपति भवन के आसपास 25 अक्टूबर को तख्तापलट के बाद से विरोध प्रदर्शनों के दौरान कई बार झड़प हुई हैं। वीडियो में प्रदर्शनकारियों को सुरक्षा बलों पर पथराव करते और आंसू गैस के गोले दागते भी देखा गया।
हताहतों की तत्काल कोई सूचना नहीं है। तख्तापलट के बाद अब्दुल्ला हमदोक को प्रधानमंत्री के पद से हटा दिया गया था, लेकिन सेना के साथ एक समझौते के तहत केवल एक महीने बाद उन्हें पद पर बहाल कर दिया गया था, जिसका उद्देश्य तनाव और तख्तापलट विरोधी प्रदर्शनों को शांत करना था। हमदोक ने रविवार को राजनीतिक गतिरोध के बीच यह कहकर पद छोड़ दिया कि वह सत्ताधारी सैन्य अधिकारियों और लोकतंत्र समर्थक आंदोलन के बीच समझौता करने में विफल रहे हैं। तख्तापलट के बाद से सूडान राजनीतिक रूप से पंगु हो गया है। लंबे समय से देश के निरंकुश शासक रहे उमर अल-बशीर और उनकी इस्लामी सरकार के खिलाफ आंदोलन के बाद उन्हें अप्रैल 2019 में सत्ता से हटाया गया था, जिसके करीब दो साल सेना ने तख्तापलट किया। अंतरराष्ट्रीय दबाव में सेना ने एक तकनीकी कैबिनेट का नेतृत्व करने के लिए नवंबर में हमदोक को बहाल किया, लेकिन इस समझौते ने अल-बशीर के खिलाफ विद्रोह के पीछे लोकतंत्र समर्थक आंदोलन को दरकिनार कर दिया। तब से हमदोक तख्तापलट और सेना के साथ हुए समझौते के खिलाफ लगातार विरोध के बीच मंत्रिमंडल का गठन करने में असमर्थ रहे। तख्तापलट की निंदा करते हुए खार्तूम और ओमदुरमान में मंगलवार को हजारों लोगों ने मार्च में हिस्सा लिया। ऑनलाइन पोस्ट की गई तस्वीरों में युवा प्रदर्शनकारी गाते, ढोल बजाते और सूडानी झंडा लहराते दिखे। पूर्वी शहर पोर्ट सूडान और दारफुर क्षेत्र सहित अन्य शहरों में भी इसी तरह के प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, प्रदर्शन के मद्देनजर अधिकारियों ने खार्तूम और ओमदुरमान में प्रमुख सड़कों और मार्गों को बंद कर दिया।

ऐतिहासिक रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए आज समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे आस्ट्रेलिया और जापान

सिडनी (अमेरिका)। (एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया और जापान रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए गुरुवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। ऑस्ट्रेलिया और जापान के इस समझौते को ऐतिहासिक बताया जा रहा है, लेकिन यह समझौता चीन को नाराज कर सकता है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा एक डिजिटल सम्मेलन में समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे।
मॉरिसन ने कहा कि यह समझौता 'ऑस्ट्रेलियन डिफेंस फोर्स' और 'जापानीज सेल्फ डिफेंस फोर्सेस' के बीच महत्वपूर्ण और जटिल व्यावहारिक संबंधों को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा ऑस्ट्रेलिया और जापान करीबी मित्र हैं। हमारी विशेष सामरिक साझेदारी पहले से अधिक मजबूत है, यह हमारे साझे मूल्यों, लोकतंत्र एवं मानवाधिकारों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रतिबिम्बित करती है तथा एक स्वतंत्र, खुले और लचीले हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हमारे साझा हितों को दशार्ती है।
ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका और ब्रिटेन के साथ ऑकस त्रिपक्षीय समझौता किया था। इसके तहत अमेरिका और ब्रिटेन ने परमाणु ऊर्जा से संचालित पनडुब्बियों को हासिल करने में ऑस्ट्रेलिया की मदद करने का संकल्प लिया था। इस समझौते ने चीन को नाराज कर दिया था। मॉरिसन ने बुधवार को जारी बयान में जापान के साथ होने वाले समझौते को ऐतिहासिक करार दिया और कहा कि यह समझौता दोनों देशों की सेनाओं के बीच बढ़ते सहयोग के लिए एक स्पष्ट रूपरेखा तैयार करेगा।

इजराइल ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों की बीच टीके की चौथी खुराक देने पर विचार कर रहा

तेल अवीव। (एजेंसी)

इजराइल में कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के बाद नए मामलों में इजाफा हो रहा है। वहीं देश कोविड रोधी टीके की चौथी खुराक भी देने पर विचार कर रहा है। संक्रमण के नए मामलों ने सरकार को उलझा दिया है और सरकार चंद दिनों में ही नियम बदल रही है। इजराइल के स्वास्थ्य मंत्रालय के शीर्ष जन स्वास्थ्य अधिकारी शोरॉन अलरॉय-प्रेइस ने देश के चैनल 13 पर इस हफ्ते कहा कि ओमीक्रोन की लहर पर कोई नियंत्रण नहीं है। यरुशलम में शारे जेदक मेडकिल केंद्र के प्रमुख जोनथन हलेवी ने कहा कि शायद संक्रमण से कोई भी सुरक्षित नहीं है।
नया लक्ष्य समाज के संवेदनशील लोगों को एक और लॉकडाउन लगाए बिना सुरक्षित रखना है और देश की सात महीने पुरानी प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट की सरकार इससे बचने के लिए मशक्कत कर रही है। प्रधानमंत्री ने रविवार को पत्रकार वार्ता में चेताया था कि आने वाले हफ्तों में नए मामले रिकॉर्ड स्तर तक बढ़ेंगे। सरकार नियमों को लेकर और उन्हें सार्वजनिक करने को लेकर उलझन में हैं। उन्होंने कहा कि वह हताशा और उलझन को समझते हैं लेकिन वायरस की वजह से सीमित विकल्प हैं। बेनेट ने कहा कि सरकार अधिक चुनौतीपूर्ण स्वरूप से निपटने के लिए सतर्क है। इसमें कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले और कम से कम 60 वर्ष की आयु के लोगों को टीके की चौथी खुराक देने का सरकार का निर्णय शामिल है। माना जाता है कि इजराइल दुनिया का पहला देश है जो बूस्टर के लिए दूसरी खुराक यानी चौथी खुराक की पेशकश कर रहा है। बेनेट ने मंगलवार को ऐलान किया था कि शेबा मेडिकल केंद्र में हुए शुरूआती अध्ययन के मुताबिक, टीके की चौथी खुराक एंटीबॉडी उत्पन्न करने में पांच गुना का इजाफा करती है।

इमरान खान की पार्टी ने निर्वाचन आयोग से विदेशों से मिले चंदे की जानकारी छुपाने की कोशिश की: रिपोर्ट

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तकरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने देश के निर्वाचन आयोग को विदेशी नागरिकों एवं कंपनियों से मिली निधि की पूरी जानकारी नहीं दी और अपने खातों संबंधी जानकारी भी छुपाई। मीडिया की खबर में निर्वाचन आयोग द्वारा संकलित एक रिपोर्ट के हवाले से बुधवार को यह दावा किया गया। ह्यडॉनह्ल समाचार पत्र ने ह्यस्क्रूटनी कमेटी ऑफ द इलेक्शन कमीशन ऑफ पाकिस्तानह्ल (ईसीपी) द्वारा संकलित रिपोर्ट के हवाले से बताया कि सत्तारूढ़ दल ने वित्त वर्ष 2009-10 और वित्त वर्ष 2012-13 के बीच चार साल की अवधि में 31 करोड़ 20 लाख पाकिस्तानी रुपए के चंदे संबंधी जानकारी छुपाई।
समाचार पत्र के अनुसार, वार्षिक जानकारी से खुलासा हुआ कि केवल वित्त वर्ष 2012-13 में करीब 14 करोड़ 50 लाख डॉलर कम राशि बताई गई। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) द्वारा समिति को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के पास 26 बैंक खाते थे। समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2008 से 2013 के बीच पार्टी ने ईसीपी को 1.33 अरब पाकिस्तानी रुपए की धनराशि की जानकारी दी थी, जबकि पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक एसबीपी की एक रिपोर्ट में वास्तविक राशि 1.64 अरब पाकिस्तानी रुपए थी। पार्टी ने ईसीपी को उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों में तीन बैंक के ब्योरे का भी खुलासा नहीं किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान में करीब 1,414 कंपनियों, 47 विदेशी कंपनियों और 119 संभावित कंपनियों ने खान की पार्टी को चंदा दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसे अमेरिका से भी 23 लाख, 44 हजार, 800 डॉलर मिले थे, लेकिन समिति पार्टी के अमेरिकी बैंक खातों तक नहीं पहुंच सकी।
पार्टी को यह निधि देने वालों में 4,755 पाकिस्तानी, 41 गैर-पाकिस्तानी और 230 विदेशी कंपनियां शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के अलावा, खान की पार्टी को दुबई, ब्रिटेन, यूरोप, डेनमार्क, जापान, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया से भी निधि मिली, लेकिन समिति को इन लेन-देन की जानकारी नहीं दी गई। सूचना और प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने मंगलवार को एक बैठक में जांच समिति की रिपोर्ट को गलत करार दिया और पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी जैसे विपक्षी राजनीतिक दलों के खातों की भी जांच किए जाने की मांग की। ह्यडॉनह्ल समाचार पत्र ने बताया कि ईसीपी ने नौ महीनों के बाद मंगलवार को सत्तारूढ़ दल के खिलाफ विदेशी चंदे संबंधी मामले की सुनवाई शुरू की थी और इसी दौरान यह रिपोर्ट पेश की गई थी। इस मामले में आगे की सुनवाई 18 जनवरी को होगी।

चीन में जनसांख्यिकीय संकट! युवा नहीं करना चाहते शादी, बच्चे बैदा करने से भी बना रहे दुरी

बीजिंग। (एजेंसी)

चीन के प्रांतीय स्तर के 10क्षेत्रों में 2020 में जन्म दर एक प्रतिशत से नीचे गिर गई। यह स्थिति नई नीति के तहत दंपतियों को एक से अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रेरित करने के प्रयासों के बावजूद दुनिया के सर्वाधिक आबादी वाले देश की जनसांख्यिकीय संकट संबंधी दुविधा के और गहराने का संकेत है। चीन ने पिछले साल अगस्त में तीन बच्चों की नीति को एक प्रमुख नीतिगत बदलाव के रूप में पारित किया था जो कि दशकों पुरानी एक बच्चे की नीति से उत्पन्न जनसांख्यिकीय संकट को दूर करने के लिए है। चीन ने 2016 में एक बच्चे की नीति को खत्म करते हुए सभी दंपतियों को दो बच्चे पैदा करने की अनुमति दी थी और एक दशक में एक बार हुई जनगणना के बाद तीन बच्चे पैदा करने की अनुमति देने के लिए इस नीति को संशोधित किया गया।
जनगणना के अनुसार, चीन की आबादी सबसे धीमी गति से बढ़कर 1.412 अरब हो गई। नए जनगणना के आंकड़ों से पता चलता है कि चीन को जिस जनसांख्यिकीय संकट का सामना करना पड़ रहा है, वह और गहरा सकता है क्योंकि 60 साल से ऊपर की आबादी बढ़कर 26.400 करोड़ हो गई, जो 2020 में 18.7 प्रतिशत बढ़ी। तीन बच्चों की नीति के समर्थन के बाद, चीन के प्रांतीय स्तर के 20से अधिक क्षेत्रों ने संशोधनों को पूरा कर लिया है और मातृत्व अवकाश, विवाह अवकाश तथा पितृत्व अवकाश की संख्या में वृद्धि करने जैसे सहायक उपाय किए हैं। सांख्यिकीय वार्षिक पुस्तक के अनुसार, चीन के प्रांतीय स्तर के 10 क्षेत्रों में जन्म दर 2020 में एक प्रतिशत से नीचे गिर गई। सबसे अधिक आबादी वाले प्रांतों में से एक हेनान में 1978 के बाद बच्चों के पैदा होने की संख्या पहली बार दस लाख से नीचे गिर गई। ह्यचाइना स्टैटिस्टिकल ईयरबुक 2021ह्ल के मुताबिक, 2020 में चीन की जन्म दर प्रति 1,000 लोगों पर 8.52 दर्ज की गई, जो 43 वर्षों में सबसे कम है। जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि दर प्रति 1,000 लोगों पर 1.45 रही, जो 1978 के बाद से एक नया निम्न स्तर है। वर्ष 2020 की जन्म दर प्रकाशित करनेवाले प्रांतीय स्तर के 14 क्षेत्रों में से सात में हालांकि जन्म दर राष्ट्रीय औसत से अधिक दर्ज की गई।
इन प्रांतों में दक्षिण-पश्चिमी गुइझोउ प्रांत और गुआंग्शी जुआंग स्वायत्त क्षेत्र भी शामिल हैं। हालांकि, चीन के पूर्वी जिआंगसू प्रांत जैसे कुछ विकसित क्षेत्रों में जन्म दर राष्ट्रीय स्तर से नीचे रही, जो प्रति 1,000 लोगों पर 6.66है। बीजिंग और तियानजिन में प्रति 1,000 लोगों पर जन्म दर क्रमशः 6.98 और 5.99 देखी गई। चीन के रेनमिन विश्वविद्यालय के जनसंख्या और विकास अध्ययन केंद्र के सोंग जियान ने कहा कि कोविड-19 जन्म दर को प्रभावित करने वाले कारकों में से एक है।

सोंग ने कहा, चीन को बूढ़ी होती आबादी और लोगों की पसंद में बदलाव सहित विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कई कारकों के चलते निम्न जन्म दर जारी रहेगी। कुछ विशेषज्ञों ने दावा किया कि 1990 के बाद पैदा हुए बहुत से लोग आवास की कमी के कारण शादी नहीं करना चाहते हैं और न ही बच्चे पैदा करना चाहते हैं। उनका कहना है कि देश को युवा दंपतियों को और अधिक बच्चे पैदा करने के वास्ते प्रोत्साहित करने के लिए और अधिक उपायों की आवश्यकता है।

गहराता जा रहा है श्रीलंका का आर्थिक संकट, दिवालिया होने की कगार पर है खड़ा

नई दिल्ली। श्रीलंका के लिए नया साल भी बुरे सपने की तरह ही शुरू हुआ है। वह कहते हैं ना तारीख बदलने से तवारीख में तब्दीली नहीं आ जाती। कहने का मतलब है पिछला साल खत्म होने और नया साल शुरू होने से सब कुछ एकदम से नहीं बदल सकता। श्रीलंका के पांव अब आर्थिक संकट के ऐसे दलदल में फंस रहे हैं कि वह कोशिश के बावजूद इस आर्थिक संकट से नहीं निकल पा रहा है। इसमें आप श्रीलंका की अतीत में की गई गलतियों को देख सकते हैं। अतीत की गलतियों का रिश्ता सीधे तौर पर वर्तमान से होता है। श्रीलंका का आर्थिक संकट अब भयावह रूप ले चुका है और वह दिवालिया होने की कगार पर खड़ा है। आपको बता दें कि श्रीलंका क्षेत्रफल के मामले में तमिलनाडु से भी लगभग आधा है। यहां की आबादी सवा दो करोड़ के करीब है। श्रीलंका के आर्थिक संकट में घिरने का कारण कोविड महामारी तो है क्योंकि इस दौरान श्रीलंका का पर्यटन क्षेत्र पूरी तरह से चौपट हो गया। आपको बता दें कि, श्रीलंका की जीडीपी में उसके पर्यटन क्षेत्र का योगदान 10प्र. है। लेकिन आर्थिक संकट में घिरने की एक दूसरी वजह चीन से लिए हुए कर्ज भी हैं। चीन के बारे में हमेशा है यह कहा जाता है कि वह देशों को कर्ज के जाल में उलझाता है और उसके बाद उन देशों से अपने मन मुताबिक नीतियां बनवाता है। श्रीलंका को अपना हंबनटोटा पोर्ट चीन को 100 साल लीज की पर देना पड़ा क्योंकि वह चीन का कर्ज नहीं चुका पाया था। लेकिन अब भी श्रीलंका पर चीन का कर्ज बाकी है। आपको बता दें कि, श्रीलंका की सत्ता इस वक्त राजपक्षे परिवार के हाथ में है। महिंदा राजपक्षे श्रीलंका के प्रधानमंत्री है।वहीं गोटभाया राजपक्षे राष्ट्रपति हैं। ऐसे में इस सरकार पर सवाल उठने लाजमी है क्योंकि श्रीलंका का आर्थिक संकट अब मानवीय संकट में तब्दील होता नजर आ रहा है। महंगाई रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ रही है। खाने पीने की चीजें लोगों की पहुंच से बाहर होती जा रही है। कोविड में पर्यटन उद्योग चौपट हो गया, और बढ़ते कर्ज के बोझ के चलते सरकारी खजाना भी खाली हो चुका है।

रस्सा कस्सी प्रतियोगिता में बच्चों ने जीते अवार्ड

नई दिल्ली। अभियान युवा वेलफेयर सोसाइटी युवा क्लब के द्वारा नागलोई में खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लिया जिसमें रस्सा कस्सी प्रतियोगिता में अभिषार, सौरभ, ऋषि तिवारी, राजेश कुमार ने अवार्ड जीते। इन तीनो बिजेताओं को एस डी एम् कार्यालय के अधिकारिओं ने मेडल देकर सम्मानित किया और इनके उज्जवल भविष्य की कामना की। बिजेता अभिषार, सौरभ ने कहा की मेडल जीतकर अच्छा लगा और आगे कुछ करने का जज्बा भी दिल में उत्पन्न हुआ है। अभियान युवा वेलफेयर सोसाइटी युवा कल्ब के पदाधिकारयों ने कहा की यह संस्था बच्चों के लिए कुछ न कुछ आयोजन करती रहती है ताकि बच्चों का मनोबल बढ़ा रहे। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनता के अतिरिक्त राजनैतिक लोग भी उपस्थित थे।

दिल्ली सरकार से 221.56 करोड़ रुपए मिलने के बावजूद सिर्फ 141.45 करोड़ ही खर्च कर पाई एमसीडी: आप

■ नई दिल्ली

कोर्ट ने भी कहा कि एमसीडी की सारी कार्रवाई सिर्फ कागजों पर

दिल्ली हाई कोर्ट की बार-बार फटकार के बावजूद एमसीडी ने डेंगू की रोकथाम को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए।

हर साल फंड न मिलने का रोना रोने वाली भाजपा शासित एमसीडी दिल्ली सरकार से 221.56 करोड़ रुपए मिलने के बावजूद मात्र 141.45 करोड़ ही खर्च कर पाई। दिल्ली हाई कोर्ट की बार-बार फटकार के बावजूद एमसीडी ने डेंगू की रोकथाम को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए। हाई कोर्ट ने कहा कि एमसीडी की सारी कार्रवाई सिर्फ कागजों पर है। यह कहना है आम आदमी पार्टी (आप) के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज का। बुधवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अपने निकम्मेपन और भ्रष्टाचार के कारण भाजपा एमसीडी में फेल हुई है। जनता चाहती है कि अब एमसीडी भाजपा के चंगुल से आजाद हो। भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के अंदर प्राइमरी हेल्थकेयर और पब्लिक हेल्थकेयर सीधा-सीधा दिल्ली नगर निगम के अधीन आता है। चाहे डिस्पेंसरी का काम हो, चाहे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया की रोकथाम हो, चाहे मच्छरों की ब्रीडिंग रोकने के लिए डीबीसी की नियुक्ति हो और चाहे फॉगिंग हो, यहा सारा का सारा काम दिल्ली नगर निगम के आधीन आता है।

पिछले दो महीनों में हमने देखा कि दिल्ली में डेंगू काफी फैला। बहुत लोग उससे ग्रस्त हुए जिसके लिए दिल्ली हाई कोर्ट ने बार-बार एमसीडी की खिचाई की और डेंगू लेकर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि जब-जब हमने निगम से इसपर सवाल उठाया तो दिल्ली नगर निगम में शासित भाजपा के नेताओं ने अखबार में एक बयान दिया कि सरकार हमें पैसे नहीं दे रहा इस कारण से हम दिल्ली में डेंगू की रोकथाम नहीं कर पा रहे हैं। हालांकि, आम आदमी पार्टी ने साफ कहा था कि निगम को पूरे पैसे दिए जा रहे हैं लेकिन हर बार उनके बयान यही छपे कि उन्हें सरकार से पैसे नहीं मिल रहे हैं। आप प्रवक्ता कहा कहना है कि इतना पैसा मिलने के बाद भी भाजपा के झूठ का यह आलम था कि दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष और एमसीडी के नेता बार-बार कहते रहे कि सरकार ने हमें पैसा नहीं दिया। जबकि असल में इन 5 सालों में जिस मद में इन्हें जो पैसा दिया है उसके अनुसार पिछले 5 सालों में 221.56 करोड़ रुपए दिल्ली सरकार ने दिए, जिसमें से इन्होंने मात्र 141.45 करोड़ रुपए ही खर्च किए। यानी कि यह लोग लगभग आधा पैसा ही खर्च कर पाए। तो सिर्फ और सिर्फ निकम्मेपन के कारण और भ्रष्टाचार के कारण एमसीडी दिल्ली में फेल है। दिल्ली के लोग चाहते हैं कि एमसीडी भी भाजपा के चंगुल से आजाद हो सके और एमसीडी में यह सभी काम अच्छे से हो सकें।

दिल्ली में फिलहाल लॉकडाउन लगाने की जरूरत नहीं : सत्येंद्र जैन

कोरोना की स्थिति पर नजर बनाए हुए है सरकार

■ नई दिल्ली

प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए जैन ने बताया कि बीते कई दिनों से कोरोना के मामले बहुत तेजी से आ रहे हैं, जिसका प्रमुख कारण ओमीक्रोन वेरिएंट है।

दिल्ली में कोरोना वायरस के तेजी से बढ़ते हुए मामलों के बीच स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने साफ किया है कि सरकार का दिल्ली में फिलहाल लॉकडाउन लगाने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में निर्माण कार्य जारी रहेगा, मजदूरों को घबराने की कोई जरुरत नहीं है, बस सार्वजनिक स्वास्थ्य को लेकर लागू किए गए हैं कुछ प्रतिबंध, सभी लोग पालन करें। बुधवार को एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए जैन ने बताया कि बीते कई दिनों से कोरोना के मामले बहुत तेजी से आ रहे हैं, जिसका प्रमुख कारण ओमीक्रोन वेरिएंट है। अब तक यही पाया गया है कि डेल्टा वेरिएंट के मुकाबले ओमीक्रोन वेरिएंट ज्यादा माइल्ड और कम घातक है। जैन ने बताया कि विदेशों से दिल्ली आने वाले लोग इस वेरिएंट से सबसे संक्रमित पाए जा रहे हैं। फिलहाल किसी भी मरीज को ऑक्सीजन लगाने की जरूरत नहीं पड़ी है और ज्यादातर मरीजों में मामूली लक्षण ही मिले हैं। दिल्ली के हालातों पर स्वास्थ्य विभाग पैनी नजर बनाए हुए हैं, दिल्ली में कोरोना की यह 5वीं लहर है और देश में तीसरी है। दिल्ली की स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। दिल्ली में बेड भरी मात्रा में उपलब्ध है। उदाहरण के लिए जीटीबी अस्पताल में 650 बेड रिजर्व है, जिसमें कुल 20 पेशेंट हैं यानी कुल बेड का सिर्फ 2-5 फीसद ही भरा है और बाकी खाली हैं। कल तक दिल्ली में कोरोना के 531 पेशेंट एडमिट हुए हैं, जो दिल्ली के निजी और सरकारी अस्पतालों में भर्ती हैं। कोरोना की पिछली लहर में इतने मामले आने पर 15 फीसद भरे थे जो कि इस बार 3 फीसद के आसपास है। होम आइसोलेशन के बारे में सरकार मरीजों को जानकारी प्रदान कर रही है। कल जिन 418 मरीजों को बेड दिए गए थे, उनमें से 308 को किसी मेडिकल सपोर्ट की जरूरत नहीं पड़ी। सभी मरीजों की जीनोम सिक्वेंसिंग की कोई जरुरत नहीं, वो एक रिसर्च प्रक्रिया थी, ताकि ये पता लगाया जा सके कि कम्युनिटी में ओमीक्रोन फैल रहा है या नहीं। अब चूंकि ज्यादातर मरीज ओमीक्रोन के ही आ रहे हैं तो सभी की जीनोम सिक्वेंसिंग कराने की कोई जरूरत नहीं। हालांकि अभी भी रैंडम सैंपल की जीनोम सिक्वेंसिंग की जा रही है। जैन ने बताया कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य है कि इस बार एक भी जान ऑक्सीजन या अन्य किसी भी बुनियादी संसाधन के अभाव में न जाए। दिल्ली ने कोरोना के रोक थाम के लिए देश में सबसे कड़े कदम उठाए है जिसमें वीकेंड कर्फ्यू, कॉलेज-स्कूल बंद करना इत्यादि शामिल है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में फिलहाल लॉकडाउन नहीं लगेगा, निर्माण कार्य जारी रहेगा। मजदूरों को घबराने की कोई जरुरत नहीं है। ये प्रतिबंध आम जनमानस की भलाई और सबकी सुरक्षा के लिए लगाए गए हैं। सभी लोग इसका पालन करें।

दिल्ली में जुड़े 1,03,610 नए मतदाता

■ नई दिल्ली

दिल्ली की मतदाता सूची में 1,03,610 मतदाताओं की शुद्ध वृद्धि देखी गई, जिसमें 50,562 पुरुष मतदाता, 52,964 महिला मतदाता और 84 ट्रांस जेंडर मतदाता शामिल हैं। इतना ही नहीं अंतिम मतदाता सूची में पंजीकृत मतदाताओं का लिंग अनुपात बढ़कर 831 हो गया है, जो सभी के लिए अधिक समान अवसरों की दिशा में प्रगति का संकेत है। यह कहना है दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. रणबीर सिंह का। बुधवार को इस बाबत जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में अंतिम तिथि के रूप में 01 जनवरी 2022 के साथ मतदाता सूची का विशेष सारांश संशोधन मतदाता सूची प्रकाशित होने के साथ पूरा हो गया है। इस अवधि के दौरान, जनवरी 2021 में प्रकाशित पिछले रोल की तुलना में जनवरी 2022 में 50,562 पुरुष, 52,964 महिला और 84 तीसरे जेंडर मतदाताओं सहित 1,03,610 मतदाताओं की उल्लेखनीय शुद्ध वृद्धि हुई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि यह वृद्धि दिल्ली के प्रत्येक नागरिक के वोट को ध्यान में रखते हुए एक प्रभावी लोकतंत्र के लिए फायदेमंद साबित होगी। इसके साथ ही जारी की गई अंतिम मतदाता सूची में मतदाताओं की कुल संख्या 1,48,99,159 है, जिसमें 81,38,593 पुरुष, 67,59,534 महिला और 1,032 तीसरे जेंडर मतदाता हैं। डॉ. रणबीर सिंह के अनुसार तीसरे जेंडर के मतदाताओं की संख्या में वृद्धि, मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय द्वारा अधिक से अधिक मतदाताओं को नामांकित करने की प्रक्रिया का समर्थन करने और मतदाता सूची में उनके कम प्रतिनिधित्व के मुद्दे को संबोधित करने के लिए किए गए गहन प्रयासों के लाभों को भी प्रदर्शित करती है। उन्होंने बताया कि जनता की सुविधा के लिए मतदान केंद्रों की संख्या 13789 से बढ़कर 13820 हो गई है। जिससे मतदाताओं को मतदान केंद्रो में सुगमता से वोट डाल सकेंगे।

वीकेंड कर्फ्यू में 15 मिनट की फ्रीक्वेंसी पर चलेगी मेट्रो

नई दिल्ली। डीडीएमए के नए आदेश को लेकर आगामी शनिवार एवं रविवार दिल्ली में कर्फ्यू लगाया है। इसके चलते मेट्रो सेवा के समय में डीएमआरसी की तरफसे बदलाव किया गया है। डीएमआरसी प्रवक्ता अनुज दयाल के मुताबिक मेट्रो की येलो लाइन पर हुड्डा सिटी सेंटर से समयपुर बादली के बीच एवं ब्लू लाइन पर द्वारका सेक्टर 21 से नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी, वैशाली तक प्रत्येक 15 मिनट की फ्रीक्वेंसी पर मेट्रो उपलब्ध रहेगी। अन्य सभी लाइनों पर वीकेंड कर्फ्यू के दौरान मेट्रो सेवा प्रत्येक 20 मिनट के भीतर उपलब्ध होगी। सोमवार से शुक्रवार तक मेट्रो सेवा सामान्य रूप से चलती रहेगी। डीएमआरसी ने यात्रियों से यह अपील की है कि बहुत आवश्यक होने पर ही मेट्रो से सफर करें, यात्रियों की सीमित संख्या के चलते उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। डीडीएमए की नई गाइडलाइंस के तहत मेट्रो ट्रेन में 100 फीसदी सीटिंग की अनुमति दी गई है, मेट्रो में खड़े होकर यात्रा करने पर पाबंदी लगाई गई है। मेट्रो के प्रत्येक कोच में केवल 50 यात्री ही सफर कर सकते हैं।

दक्षिणी निगम की ई-निविदा में भाग लें सकेंगे सीपीडब्ल्यूडी/पीडब्ल्यूडी

नई दिल्ली। दक्षिणी निगम ने सीपीडब्ल्यूडी राज्य पीडब्ल्यूडी और शहरी स्थानीय निकाय के पंजीकृत ठेकेदारों को निगम के साथ पंजीकृत होने की अनुमति दे दी है।

दिल्ली में कोरोना संक्रमण दर ने पकड़ी रफ्तार

■ नई दिल्ली

24 घंटे में 10665 नए मामले, 8 की मौत

देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण दर ने रफ्तार पकड़ ली है, वहीं मौत का आंकड़ा सवा 6 माह बाद सबसे ज्यादा दर्ज किया गया है। दिल्ली में बढ़ते मामलों के साथ कोरोना के एक्टिव केस 23 हजार को पार कर गए हैं। मृत्युदर में भी काफी बढ़त दर्ज की गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार बुधवार को कोरोना के 10665 नए मामले सामने आए। वहीं 2239 मरीजों को छुट्टी दी गई। जबकि 8 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में अभी तक 1474366 मरीज दम तोड़ चुके हैं। वहीं इनमें से 1425938 मरीज ठीक हो चुके हैं। राजधानी में कोरोना से मौत का आंकड़ा बढ़कर 25121 हो गया है। विभाग के अनुसार दिल्ली में कोरोना से मृत्युदर बढ़कर 1.70 फीसदी हो गया है।

विभाग के अनुसार दिल्ली में कोरोना के एक्टिव केस बढ़कर 23307 हो गए हैं। इनमें से दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों में 782 मरीज भर्ती हैं। कोविड केयर सेंटर में 377, कोविड हेल्थ सेंटर में 1 और होम आइसोलेशन में 11551 मरीज भर्ती हैं। अस्पताल में भर्ती 782 मरीजों में से 69 मरीज कोरोना लक्षणों के साथ, 5 कोरोना संक्रमित मरीजों को एयरपोर्ट से लाया गया, कोरोना संक्रमित 708 मरीज भर्ती हैं। इनमें से दिल्ली के बाहर से 103 और दिल्ली के 610 मरीज भर्ती हैं। इनमें 551 मरीजों को ऑक्सीजन की जरूरत नहीं पड़ी। जबकि 140 मरीज ऑक्सीजन स्पोट पर हैं। वहीं 22 गंभीर मरीज वेंटिलेटर पर हैं। दिल्ली में कोरोना की जांच के लिए मंगलवार को 89742 टेस्ट हुए जिसमें 11.88 फीसद लोग संक्रमित पाए गए। इन जांच के लिए आरटीपीसीआर से 72145 और रैपिड एंटीजन से 17597 टेस्ट हुए। दिल्ली में अभी तक 33087913 टेस्ट हुए। दिल्ली में बढ़ते मामलों के साथ हॉटस्पॉट की संख्या बढ़कर 3908 हो गई है।

देश-विदेश के 75 लाख लोग एक साथ करेंगे सूर्य नमस्कार: मंत्री सर्बानंद सोणोवाल

आयुष मंत्रालय के महत्वपूर्ण अभियानों पर किया मंथन

■ नई दिल्ली

मकर संक्रांति के पर्व को और अधिक खास बनाने के लिए आयुष मंत्रालय ने इस बार बड़ी तैयारी की है। बुधवार को इस बारे में जानकारी देते हुए केंद्रीय आयुष मंत्री सर्बानंद सोणोवाल ने बताया कि 14 जनवरी यानि मकर संक्रांति के दिन 75 लाख लोग एक साथ सूर्य नमस्कार करेंगे, जिसमें देश-विदेश के लोग भी शामिल होंगे। इस अभियान में विभिन्न मंत्रालयों के साथ-साथ योग व सामाजिक क्षेत्र की बड़ी संस्थाओं का सहयोग लिया जा रहा है। सोणोवाल ने कहा कि कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए आम लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाना बहुत जरूरी है, इसके लिए अधिक से अधिक लोगों को सूर्य नमस्कार करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। प्रतिदिन सूर्य नमस्कार करने से कई शारीरिक और मानसिक समस्याओं में लाभ पाया जा सकता है। मंत्री ने कहा कि हम सिर्फ सूर्य नमस्कार ही नहीं बल्कि योगासन, आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी, सिद्ध और नेचुरोपैथी आदि के माध्यम से आम लोगों की स्वास्थ्य देखभाल कर रहे हैं।

इस दौरान सोणोवाल ने आयुष मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी की गई गाइडलाइन का पालन करवाने की अपील भी की। आयुष भवन में केंद्रीय आयुष मंत्री सर्बानंद सोणोवाल और केंद्रीय राज्य मंत्री आयुष मुंजपरा महेंद्रभाई ने आयुष मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक की और कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए आयुष अभियानों को और अधिक विस्तारित करने के निर्देश दिए। बता दें कि कोविड-19 की पहली और दूसरी लहर में आयुष मंत्रालय ने राज्यों के साथ मिलकर आम लोगों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए आयुष काढ़ा, आयुष-64, कबासुरा कुडिनीर और प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य रक्षा किट और आयु रक्षा किट को तैयार किया था। जिनसे आम लोगों को बहुत फायदा हो रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कोविड काल में आयुष मंत्रालय के कामकाज की तारीफ की थी। इस दौरान केंद्रीय आयुष मंत्री सर्बानंद सोणोवाल और केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री मुंजपरा महेंद्रभाई के साथ आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा और आयुष विशेष सचिव प्रमोद कुमार पाठक भी मौजूद रहे। बैठक के बाद सभी ने आयुष भवन की कैंटीन में आयुष आहार का स्वाद भी लिया।

कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने की अपील

■ नई दिल्ली

एनडीएमसी ने बेहतर प्रबंधन के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए

दिल्ली में बढ़ने कोरोना और ओमिक्रोन के मामलो को देखते हुए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनो, मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशनो, होटल और रेस्तरां के मालिको से सरकार द्वारा जारी कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने का अपील किया। उपाध्याय ने प्रबंधन समितियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि किसी भी महामारी की स्थिति से निपटने के लिए कोविड-19 और इसके नए संस्करण को देखते हुए उचित मात्रा में सैनिटाइजर, मास्क और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराएं। उन्होंने बताया कि यह अपील नई दिल्ली क्षेत्र के सभी डिस्प्ले बोर्ड और एनडीएमसी भवनो,एनडीएमसी के बाहर के कार्यालयों के साथ-साथ सार्वजनिक स्थलों में भी की जा रही है। उपाध्याय ने बताया कि नई दिल्ली क्षेत्र में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए और कोविड-19 की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य सेवा देखभाल गतिविधियों को और मजबूत करने के लिए अध्यक्ष एनडीएमसी ने पराग करुणाकर सिंह, निदेशक, सामान्य प्रशासन को कोविड -19 और इसके नए संस्करण कि रोकथाम के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। नोडल अधिकारी ने बताया कि उनके आधीन सूक्ष्म स्तर पर 9 नोडल अधिकारियों को कोविड कंटेनमेंट जोन की निगरानी के लिए तैनात किया गया है तथा पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों और वाहनों को भी तैनात करके राहत दी गई है, जो किसी भी अप्रत्याशित आपात स्थिति से निपटने के लिए निदेशक, चिकित्सा सेवा के अधीन हैं। नोडल अधिकारी ने बताया कि सरदार पटेल कोविड सेंटर-छतरपुर में एनडीएमसी के कर्मचारियों को तैनात भी किया गया है।

कोरोना आईएएम ने मांगी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए सुरक्षा

दिल्ली में एक दिन में बने 1000 कंटेनमेंट जोन

■ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में कोरोना के बढ़ते मामलों के साथ कंटेनमेंट जोन भी तेजी से बढ़ रहे हैं। मंगलवार को दिल्ली में करीब एक हजार नए कंटेनमेंट जोन बनाए गए। इनकी संख्या बढ़कर 3908 हो गई है। एक दिन पहले इनकी संख्या 2992 थी। बुधवार को दिल्ली में 912 नए कंटेनमेंट जोन बनाए गए हैं। उधर, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने कोरोना की तीसरी लहर की दस्तक के साथ स्वास्थ्य कर्मियों के लिए सुविधाएं बढ़ाने की मांग की है। आईएएम के अध्यक्ष डॉ. एस प्रसाद सिंह ने बताया कि कोरोना की दूसरी लहर में करीब 2 हजार डॉक्टरों की मौत हुई थी। हेल्थ वर्कर की मौत का आंकड़ा 2 से 3 फीसदी रहा था। कोरोना की तीसरी लहर में बड़ी संख्या में लोग संक्रमित हो रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य कर्मियों की सुविधाओं में विस्तार करना चाहिए। उन्होंने रेजिडेंट डॉक्टर की कोविड ड्यूटी 8 घंटे प्रति दिन करने व दिन में 7 दिन, उसके बाद 10से 14 दिन का क्वारंटीन की सुविधा मिलनी चाहिए। स्वास्थ्य कर्मियों की देखभाल की व्यवस्था होनी चाहिए। कोविड ड्यूटी के दौरान बीमार होने पर डॉक्टरों को चिकित्सा की सुविधा मिलनी चाहिए। वहीं कोविड ड्यूटी में मौत होने पर एक करोड़ रुपए की राहत राशि की मदद दी जानी चाहिए। बता दें कि राजधानी दिल्ली में अभी तक 450 से ज्यादा स्वास्थ्य कर्मी कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। इसमें बड़ी संख्या डॉक्टरों की है।

निगमबोध घाट पर नए नियम लागू

दिल्ली में बढ़ते कोरोना के मामलों को देखते हुए निगमबोध घाट पर डीडीएमए के निर्देश पर नए नियम लागू किए गए हैं। इस संबंध में नार्थ एमसीडी के पूर्व महापौर जय प्रकाश ने बताया कि कोविड और नॉन कोविड शवों के अंतिम संस्कार के दौरान महज 20 लोग ही आ सकेंगे। यहां आने के दौरान सभी को अनिवार्य रूप से मास्क पहनना होगा। कोविड शवों का अंतिम संस्कार सीएनजी प्लेटफार्म पर होगा। इनके अंतिम संस्कार करने वाले लोगों को पीपीई किट में आना होगा। इसके डिस्पोजल के लिए भी सभी व्यवस्था होगी। उन्होंने कहा कि निगम बोध घाट पर सेनेटाइजेशन के लिए पर्याप्त व्यवस्था होगी।

संपादकीय

घातक मनोवृत्ति

साइबर दुनिया जहां तरक्की की राह दिखाती है, वहीं अपराधियों के घातक मंसूबों को अंजाम देने का साधन भी बन गई है। दरअसल, साइबर अपराधियों के खिलाफ समय रहते सख्त कार्रवाई न होने से ऐसे तत्वों के हौसले बुलंद हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि वर्ग विशेष की मौन सहमति उन्हें प्राप्त है। ऐसे हमले समुदाय या लिंग विशेष पर न होकर पूरी सामाजिकता के ताने-बाने को क्षतिग्रस्त करते हैं। हाल ही में सामने आया 'बुल्ली बाई' एप का मामला इसी कड़ी का विस्तार है, जिसमें सोशल मीडिया पर सक्रिय संप्रदाय विशेष की महिलाओं की प्रतिष्ठा व गरिमा को ठेस पहुंचाने की कुत्सित कोशिश की गई। हालांकि, इस मामले में तल्ख प्रतिक्रिया के बाद सरकार ने इस विवादित एप पर रोक लगाई और विद्वेष फैलाने वाले समूह की मास्टर माइंड महिला व एक इंजीनियरिंग के छात्र को गिरफ्तार करके ऐसे तत्वों को सख्त संदेश भी दिया है। लेकिन इससे समाज में जो कटुता व विद्वेष फैला है, उसकी क्षतिपूर्ति इतनी आसान भी नहीं होगी। इस मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी शीघ्र कार्रवाई के लिये पुलिस को कहा था। दरअसल, इस विवादित एप पर संप्रदाय विशेष की महिलाओं के चित्र अपलोड करके उनके बारे में अनुचित व अश्लील बातें लिखी गई थीं। इससे पहले गत वर्ष जुलाई में ऐसे ही विवादित एप का मामला संप्रदाय विशेष की महिलाओं को निशाने पर लेने के आरोपों के बीच सामने आया था। लेकिन दिल्ली व यूपी में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई न होने से उससे मिलते-जुलते नये एप का मामला प्रकाश में आ गया। जाहिर बात है कि समय रहते कार्रवाई न होने से साइबर अपराधियों के हौसले बुलंद होते हैं। इसके बावजूद भले ही पुलिस ने मुख्य अपराधियों को पकड़ लिया है, लेकिन सामाजिक समरसता को इससे जो क्षति होती है, उसकी भरपाई संभव नहीं है। ऐसे में साइबर अपराधों से निपटने के लिये सख्त तंत्र विकसित करने की जरूरत है, अन्यथा ऐसी कुत्सित कोशिशों का समाज को बड़ा खमियाजा भुगतना पड़ेगा जो कालांतर कानून व्यवस्था के लिये चुनौती पैदा कर सकता है।

निस्संदेह, वक्त आ गया है कि समाज में नफरत फैलाने वाले साइबर अपराधियों पर मजबूती से शिकंजा कसा जाये। अपराधों की पुनरावृत्ति रोकने के लिये यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि ऐसे अपराधियों पर समय रहते निर्णायक कार्रवाई की जाये, जिसके लिये तंत्र की प्रतिबद्धता जरूरी है। दरअसल, दुनिया भर में साइबर स्पेस तेजी से यौन विकृतियों, आर्थिक अपराधियों तथा महिलाओं को निशाने पर लेने वाले ट्रोलर्स का अड्डा बनता जा रहा है। भारत भी उसका अपवाद नहीं है। वर्ष 2020 में देश में महिलाओं के खिलाफ साइबर अपराध के लगभग 2300 मामले प्रकाश में आये। इसके अलावा बड़ी संख्या में ऐसे पीड़ित होते हैं जो कई कारणों से शिकायत दर्ज कराने आगे नहीं आते। वर्ष 2019 में भी 1600 से अधिक ऐसे ही मामले दर्ज हुए। इनमें अधिकतर अपराध यौन सामग्री के प्रकाशन व प्रसारण से जुड़े थे। भयदोहन, मानहानि, फर्जी प्रोफाइल बनाने जैसे हथकंडों से महिलाओं को परेशान व अपमानित करने का कुत्सित खेल खेला जाता है। ऐसे में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ ही कानूनी प्रावधानों को सख्त बनाने की जरूरत है ताकि कानून प्रभावी निवारक के रूप में कार्य कर सके। दरअसल, सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम 2008 साइबर अपराधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की राह प्रशस्त नहीं करता, बल्कि सजा को कई मायनों में लचीला भी बनाता है। समाज में मोबाइल फोन के बढ़ते उपयोग व इंटरनेट के दायरे में विस्तार ने महिलाओं को यौन उत्पीड़न की दृष्टि से संवेदनशील बना दिया है। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकारों को महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये संकल्पबद्ध होने की जरूरत है ताकि महिलाएं चाहे किसी भी समुदाय से संबंध रखती हों, ऐसे हमलों का शिकार न बनें। सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों को कुत्सित सोच का अड्डा न बनने दिया जाये। सजा इतनी सख्त और तत्काल हो कि फिर असामाजिक तत्व महिलाओं को प्रताड़ित करने की सोच भी न सकें। ऐसा डिजिटल दुनिया को भयमुक्त करने के लिये अपरिहार्य भी है।

आतंकियों पर कार्रवाई तेज

जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों पर सुरक्षाबलों की कार्रवाई तेज हो गई है। पिछले कुछ महीनों में आतंकी वारदात तेज हुई है। जवाब में सुरक्षा बलों ने घाटी से आतंकवादियों का सफाया करने की ठान ली है। दिसम्बर के आखिरी हफ्ते में सेना, अर्द्धसैनिक बलों और पुलिस की कार्रवाई में जैश-ए-मोहम्मद के 9 आतंकवादियों को मार गिराया। दिसम्बर महीने की आखिरी तारीख को सुरक्षाबलों ने जैश के 6 आतंकवादियों को मार गिराया। कुल मिलाकर नये साल की शुरुआत और बीते साल दिसम्बर महीने के अंतिम दो-तीन दिनों में कुल 9 आतंकवादियों का सफाया किया गया। बीते साल अक्टूबर में पाकिस्तान के इशारे पर आतंकवादियों ने पुलिस और आम लोगों को चुन-चुनकर मारने का ट्रेंड़ सेट किया था। हमलों के इस ट्रेंड़ को सुरक्षाबलों ने तत्काल पहचान लिया और एक्शन तेज करते हुए एक-एक आतंकवादी की पहचान कर कर्रवाई करना शुरू कर दिया है। अक्टूबर का महीना सेना और अन्य फोर्सेस के लिए सुकून भरा इसलिए कहा जा सकता कि हिजबुल-मुजाहिदीनग जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और द रेसिस्टेंस फोर्स (टीआरएफ) के टॉप आतंकवादियों मार गिराया। सेना के आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल 171 आतंकियों को मौत के घाट उतारा गया है। इस सूची में 19 आतंकवादी तो पाकिस्तान के रहे तो 151 स्थानीय बताए गए। 2022 में फिर इन आतंकियों पर बड़ी कार्रवाई करने की तैयारी है। इसके संकेत पिछले कुछ दिनों की मुठभेड़ से साफ मिल गए हैं। दरअसल, इस समय सेना द्वारा सिर्फ आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा बल्कि उनके हैंडलर्स को पकड़ने का प्रयास भी है। स्थानीय लोगों की मिलीभगत आतंकवादियों से रहती है, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है। सुरक्षाबल पूरी कोशिश कर रहे हैं कि ओवर ग्राउंड वर्कर्स को गिरफ्तार किया जाए क्योंकि उन्हीं के दम पर आतंकियों की गतिविधियों को मॉनिटर भी किया जा सकता है और समय रहते हमलों पर भी लगाम लगाया जा सकता है। जब तक पाकिस्तान के टुकड़ों पर पलने वाले इन आतंकवादियों का सफाया नहीं हो जाता तब तक घाटी में अमन की राह मुश्किल है।

प्रोफेसर के नोट्स/ दिलीप शाक्य

जासूस महोदया

बाजार की संकरी गली से निकलकर कार एक चौड़ी सड़क पर आ गई थी। प्रोफेसर ने कार की खिड़की से एक विशाल पहाड़ी पर दूर तक फैले ग्वालियर के किले को देखा। किताबों में पढ़ा राजा-महाराजाओं का जमाना मन में साकार होने लगा। वे लॉर्ड डलहॉजी, जीवाजी राव सिंधिया और रानी लक्ष्मीबाई के बारे में सोचने लगे-सत्ता, लालच और साहस की कैसी विचित्र कथा थी उनकी। थोड़ी ही देर में कार एक बंगले में दाखिल हुई। अंदर सुसज्जित लॉन था, जिसमें शर्ट और स्कर्ट पहने एक नवयुवती ग्रास-कटर से घास को समतल बना रही थी। उसकी चोटी में लाल रिबन बंधा था। लॉन में अनेक किस्म के फूल खिले थे जिन्हें देखकर प्रोफेसर का मन प्रसन्न हो गया।

प्रोफेसर ने बेल बजाई तो जासूस महोदया के निजी सहायक ने दरवाज़ा खोला। अंदर का दृश्य देखकर प्रोफेसर चौंक गए। वह एक बड़ा-सा हॉल था जिसकी छत कुछ ऊंची और दीवारों के बीच काफी फासला था। मालूम पड़ता था कोई ब्रिटिश-कालीन भवन है। हॉल के बीचों-बीच कांच का एक बड़ा-सा गुम्बद था जिसमें एक गोल मेज़ को अर्ध-वृत्ताकार घेरे हुए सोफे सजे थे। जासूस महोदया एक सोफे पर आराम की मुद्रा में लेटी थी या शायद ऊंघ रही थी। गुम्बद के बाहर भी सोफे और मेजें थीं। एक सोफे पर बैठने का इशारा करते हुए निजी सहायक ने प्रोफेसर से कहा-'मैडम अभी आराम कर रही हैं। कुछ ही देर में आपसे मुखातिब होंगी। मैं चाय भिजवाता हूं।' प्रोफेसर मेज पर बिखरी देशी-विदेशी पत्रिकाएं और अखबार पलटने लगे। उन्होंने देखा कि हॉल की चारों दीवारों पर सुंदर वुडवर्क था। वहां शरलॉक होम्स, मिस जेन मार्पल, ब्योमकेश बख्शी और फेलुदा के आकर्षक पोर्टेट उकेरे गए थे। थोड़ी देर में चाय आ गई और प्रोफेसर जासूस महोदया से मुखातिब होने का इंतजार करने लगे। वे जिस सोफे पर बैठे थे वह कांच के गुम्बद से बहुत दूर नहीं था इसलिए जासूस महोदया को ठीक से देख पा रहे थे। उसके कानों में ईयरफोन था। वह शायद म्यूजिक सुन रही थी। कुशन पर कोहनी के सहारे टिके बाएं हाथ की हथेली पर उसका सिर था। सुराहीदार गर्दन पर बिखरे लहरदार केश आपस में उलझ रहे थे। प्रोफेसर अपने एक शोध के सिलसिले में उससे मिलने आए थे।

भारतीय संसदीय प्रणाली का वर्तमान नकारा विपक्ष ..?

डॉ. विश्वास चौहान

भारतीय संसदीय लोकतंत्र की विशेषता सत्तारूढ़ दल और विपक्षी दल की पारस्परिक जवाबदेही की प्रणाली और एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण विचार-विमर्श प्रक्रिया में प्रकट होती है ।जो भारतीय संविधान में निहित है । संसदीय विपक्ष लोकतंत्र के वास्तविक सार के संरक्षण और लोगों की आकांक्षाओं व अपेक्षाओं के प्रकटीकरण में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। किंतु, वर्तमान में भारत का संसदीय विपक्ष न केवल खंडित है, बल्कि अव्यवस्थित या बेतरतीबी का शिकार भी नज़र आता है। ऐसा प्रतीत होता है कि शायद ही हमारे पास कोई विपक्षी दल है, जिसके पास अपने संस्थागत कार्यकलाप के लिये या समग्र रूप से 'प्रतिपक्ष' के प्रतिनिधित्व के लिये कोई विजन या रणनीति हो।

इन नेताओं के विचार आज के युवाओं और युवतियों की आगे बढ़ने की महत्वाकांक्षा को संबोधित नहीं करते है; ना ही आने वाले समय की चुनौतियों से निपटने की इनके पास कोई योजना या दूरदृष्टि है। सिर्फ सत्ता के लिए राजनैतिक विरोध या भ्र्ष्टाचार न कर पाने की कुंठा से ग्रस्त विपक्ष की तरह प्रतीत हो रहा है ।

वर्तमान भारतीय विपक्ष की तुलना में यदि वैश्विक चिंतन करें तो पाएंगे कि पिछले माह चिले (ष्द्धद्बद्यद्ग) के चुनावों में एक 35 वर्षीय युवा, गेब्रियल बोरिच, ने विजय प्राप्त की और वह चिले के अगले राष्ट्रपति होंगे। बोरिच ने आर्थिक असमानता घटाने, समृद्ध वर्ग पर कर का भार बढ़ाने, एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के प्लेटफार्म पर चुनाव लड़ा था। साथ ही, उन्होंने चिले के लिए एक नए संविधान का समर्थन किया था क्योंकि उनके अनुसार पुराना संविधान एक तानाशाह के समय में ड्राफ्ट किया गया था जो आज के समय के लिए अनुपयुक्त है।

> देखा जाए तो आज सभी जगह भारतीय युवाओं को राष्ट्र के विकास के बारे में, उन्नति के बारे में, सभी भारतीयों की प्रगति के बारे में वर्तमान मोदी विरोधी विपक्ष के विचार जानने की उत्सुकता है।

यही स्थिति फ्रांस के राष्ट्रपति एमानुएल मात्रों की थी जिन्होंने 39 वर्ष की आयु में अपने चुनाव प्रचार में सभी फ्रेंच नागरिको को कठिन निर्णयों के लिए आगाह किया था। उन्होंने बताया था कि कठोर श्रम कानून के कारण युवाओ को जॉब नहीं मिल रहा था क्योंकि कंपनियों को डर लगता है कि वे किसी भी कर्मचारी को नहीं निकाल पाएंगे भले ही कंपनी दिवालिया हो जाए। अत: उन्होंने कहा कि अगर वे चुनाव जीत गए तो वे नौकरी पे रखने और निकालने के नियम में ढील दे देंगे।

दूसरे शब्दों में, इन नेताओं ने अपने मतदाताओं को एक व्यस्क नागरिक के रूप में ट्रीट किया; किसी भी फ्री की सेवा (जैसे कि बिजली-पानी इत्यादि) का वाद नहीं किया; आने वाले समय की चुनौतियों का वर्णन किया और उनसे निपटने के लिए अपने विचार प्रस्तुत किये।

इसके विपरीत भारत में प्रतिपक्ष के तथाकथित फ़युवाफ़ नेता घिसे-पिटे विचारो को लेकर चुनाव मैदान में है। फ्री की बिजली-पानी का वादा कर रहे है। साम्प्रदायिकता से निपटने के बारे में नारे दे रहे है; लेकिन यह नहीं बतलाते कि किसी कुत्सित विचारधारा के आधार पर भारत पर आतंकी हमला करने वालो से कैसे निपटेंगे?

हमारे फ़युवाफ़ नेता सिर्फ और सिर्फ जातिवाद और फ्री के बिजली-पानी की बात कर रहे हैं। उनका पूरा प्लेटफार्म ही इस बात का है कैसे फ़उनकीफ़ जाति वालो को आरक्षण मिल सके, कैसे सेकुलरिज्म के स्लोगन पे भारत के बहुसंख्यक समाज का मजाक उड़ा सके, कैसे किसी एक समुदाय की तुष्टि कर सके। कैसे फ्री के नाम पर वोट खींचे जा सके?

दूसरे शब्दों में, उन्हें इस बात से कोई मतलब नहीं है कि वे भारत के सभी युवाओ को कैसे रोजगार उपलब्ध कराएँगे, उसके लिए क्या कठिन निर्णय करने होंगे? क्या सभी युवा-युवतियों को सरकारी नौकरी दी जा सकती है? कैसे प्रदूषण कम करेंगे और साथ ही उद्योगों का विकास करेंगे? कैसे किसानों को उनके उत्पाद का अधिक मूल्य देंगे, साथ ही उपभोक्ताओं को सस्ता अन्न उपलब्ध कराएँगे? कैसे उन कृषि उपज को प्रोत्साहन देंगे जिसमे कम पानी की खपत हो? कैसे स्थानीय एवं ग्रामीण स्तर पर स्वच्छ और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देंगे? कैसे सड़के बनवाएंगे, रेलवे का विकास करेंगे; मेधा पटकर जैसों के विरोध के बावजूद सिंचाई की व्यवस्था करेंगे, और विदेशी धन पर पलने वाले एनजीओ से मुकाबला करेंगे जो भारत के विकास में आकाओ के इशारो पे बाधा डाल रहे हैं?

इसके साथ ही कैसे जलवायु परिवर्तन की वैश्विक संधियों के कारण भारत को आने वाले वर्षों में भूमिगत ईंधन (कोयला, डीजल-पेट्रोल, गैस) का प्रयोग अत्यधिक कम करना होगा जिसके कारण पुराने उद्यम (कोयला खदान, बिजली उत्पादन संयंत्र, पेट्रोल पंप इत्यादि) बंद होंगे और नए उद्यम खोलने होंगे? कैसे उन उद्यमों पर निर्भर जनता को नए रोजगार के अवसर एवं ट्रेनिंग उपलब्ध करायेंगे? कैसे कृत्रिम बुद्धि एवं ब्लॉकचेन पर आधारित कंप्यूटर, रोबोट, फैक्ट्री, सप्लाई चेन, बैंकिंग इत्यादि के लिए युवा-युवतियों को तैयार करेंगे? ऑनलाइन शॉपिंग एवं सेवाओं के लिए पारम्परिक व्यवसाइयों को कैसे तैयार करेंगे? कैसे अधिक से अधिक भारतीयों को आयकर के दायरे में लाया जाए?

दलित, जनजातीय और पिछड़े वर्ग के वंचित लोगो को आरक्षण का लाभ पहली बार मिले; इसके बारे में उनके क्या विचार है? कैसे सीमा पार से आने वाले आतंकवाद का मुकाबला करेंगे? कैसे नक्सलवाद से निपटेंगे? कैसे पड़ोस के फर्जी फ़साम्यवादीफ़ देश के खतरे से मुकाबला करेंगे? अंत में, कैसे इस बात को सुनिश्चित करेंगे कि राजनीति से वंशवाद को दूर किया जा सके? क्या उन नेताओं के पास कोई बोल्ड विचार है, जिससे वे सभी भारतीयों के विचारों को प्रभावित कर सके? ऐसी क्या बात है कि उनके विचार आज के युवाओं और युवतियों की आगे बढ़ने की महत्वाकांक्षा को संबोधित नहीं करते? वस्तुत: देखा जाए तो आज सभी जगह भारतीय युवाओं को राष्ट्र के विकास के बारे में, उन्नति के बारे में, सभी भारतीयों की प्रगति के बारे में वर्तमान मोदी विरोधी विपक्ष के विचार जानने की उत्सुकता है।

सर्वोच्च न्यायालय

नई चुनौतियों संग पुराने मामलों का दबाव

अनूप भटनागर

वर्ष 2022 के दौरान न्यायपालिका के समक्ष आने वाली नई चुनौतियों के अलावा फिलहाल इस साल देश की शीर्ष अदालत के पास पहले से ही लंबित मामलों की लंबी सूची है। इसमें लंबित राजद्रोह के अपराध से संबंधित भारतीय दंड संहिता के प्रावधान की संवैधानिकता, जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने संबंधी अनुच्छेद 370 खत्म करने, नागरिकता संशोधन कानून की संवैधानिकता, राज्यों में स्थानीय निकाय के चुनावों में ओबीसी आरक्षण, विभिन्न धर्मों में महिलाओं के अधिकारों से संबंधित विवाद आदि पर सुविचारित व्यवस्था की अपेक्षा है। इस दौरान देश को वर्तमान प्रधान न्यायाधीश सहित तीन प्रधान न्यायाधीशों की कार्यशैली से रू-ब-रू होने का अवसर मिलेगा।

इस दौरान न्यायालय को बहुचर्चित स्पाईवेयर पेगासस का कथित रूप से इस्तेमाल कर भारतीय नागरिकों की जासूसी मामले पर भी अपनी व्यवस्था देनी है। इस प्रकरण में न्यायालय ने विशेषज्ञों का एक दल गठित किया था जिसे सारे तथ्यों का अध्ययन करके अपनी रिपोर्ट देनी थी।

इसी तरह, न्यायालय 2002 के गुजरात दंगों से संबंधित कतिपय मामलों की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल द्वारा राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री और कुछ अन्य लोगों को क्लीन चिट देने के खिलाफ जाकिया जाफरी की याचिका पर अपनी व्यवस्था देगा। इन दंगों के दौरान गुलबर्ग सोसायटी में हुई हिंसा में जाकिया के पति और कांग्रेस के पूर्व सांसद एहसान जाफरी भी मारे गए थे। इसके अलावा, कोविड-19 वैश्विक महामारी से उत्पन्न परिस्थितियों और इससे निपटने के सरकारों के उपायों, गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम कानून की संवैधानिकता, सोशल मीडिया पर अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग सहित कई अन्य महत्वपूर्ण मामलों में न्यायालय की सुविचारित व्यवस्था की अपेक्षा है। शीर्ष अदालत में करीब 69,855 मामले लंबित हैं। इनमें संविधान पीठ के विचारार्थ 422 मामले भी शामिल हैं।

यह कहना मुश्किल है कि संविधान पीठ के विचारार्थ मामलों में कब सुनवाई होगी क्योंकि पांच, सात और नौ सदस्यीय संविधान पीठ का गठन बहुत आसान नहीं होता है। पांच सदस्यीय संविधान पीठ का गठन तो फिर भी हो जाता है लेकिन सात और नौ सदस्यीय पीठ का गठन करते समय पहले से लंबित अन्य मामलों की स्थिति और न्यायाधीशों की उपलब्धता को भी ध्यान में रखा जाता है। इस समय, संविधान पीठ के विचारार्थ मामलों में 135 मामले नौ सदस्यीय संविधान पीठ की व्यवस्था के इंतजार में हैं। इन मामलों में पांच तो मूल मामले हैं और 130 इससे संबद्ध मसले हैं।

इसी तरह, सात सदस्यीय संविधान पीठ के विचारार्थ 15 मामले हैं, जिनमे सात मामले मूल हैं और आठ इनसे संबद्ध हैं । पांच सदस्यीय संविधान पीठ के पास भी 272 मामले विचारार्थ हैं। इनमें 38 मूल मामले हैं और 234 इनसे संबद्ध हैं।

देश को वर्ष 2022 में तीन प्रधान न्यायाधीश देखने को मिलेंगे। वर्तमान प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण 26 अगस्त तक न्यायपालिका के मुखिया रहेंगे। इसके बाद न्यायमूर्ति उदय यू. ललित प्रधान न्यायाधीश बनेंगे जो आठ नवंबर तक इस पद को सुशोभित करेंगे। न्यायमूर्ति ललित के सेवानिवृत्त होने पर आठ नवंबर को न्यायमूर्ति डॉ. धनंजय वाई. चंद्रचूड़ देश के प्रधान न्यायाधीश बनेंगे और 10 नवंबर, 2024 तक इस पद पर रहेंगे। बहुत लंबे समय बाद देश को दो साल की अवधि के लिए प्रधान न्यायाधीश मिलेगा।

न्यायमूर्ति डॉ. धनंजय वाई. चंद्रचूड़ के पिता न्यायमूर्ति वाईएस चंद्रचूड़ भी देश के प्रधान न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त हुए थे। न्यायमूर्ति वाईएस चंद्रचूड़ संभवत- सबसे लंबी अवधि तक देश के प्रधान न्यायाधीश रहे। वह 22 फरवरी, 1978 को देश के प्रधान न्यायाधीश नियुक्त हुए थे और सात साल से भी ज्यादा समय तक इस पद पर रहे। वह 11 जुलाई, 1985 को प्रधान न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त हुए थे। नयी सदी में, इससे पहले, न्यायमूर्ति केजी बालाकृष्णन और न्यायमूर्ति एसएच कपाड़िया ही ऐसे प्रधान न्यायाधीश हुए, जिनका कार्यकाल दो साल या इससे अधिक था। इस वर्ष उच्चतम न्यायालय के आठ न्यायाधीश सेवानिवृत्त होंगे। इनमें प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण, न्यायमूर्ति उदय यू. ललित, न्यायमूर्ति एएम खानविलकर, न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति इन्दिरा बनर्जी, न्यायमूर्ति विनीत सरन, न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी शामिल हैं। सेवानिवृत्त होने वाले न्यायाधीशों में सबसे पहले न्यायमूर्ति सुभाष रेड्डी हैं जो चार जनवरी को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। इसके बाद, न्यायमूर्ति विनीत सरन 10 मई, न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव सात जून, न्यायमूर्ति खानविलकर 29 जुलाई, प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमण 26 अगस्त, न्यायमूर्ति इन्दिरा बनर्जी 23 सितंबर, न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता 16 अक्तूबर और न्यायमूर्ति ललित आठ नवंबर को सेवानिवृत्त होंगे।

उम्मीद की जानी चाहिए कि 2022 में उच्चतम न्यायालय ही नहीं बल्कि उच्च न्यायालय और अधीनस्थ अदालतें भी पांच करोड़ से ज्यादा लंबित मुकदमों का तेजी से निस्तारण करने का प्रयास करेंगी। उच्च न्यायालयों में 56,50,485 और अधीनस्थ अदालतों में 4,04,589753 मुकदमें लंबित हैं।

वैक्सीन डोज

इस असंतुलन का क्या कीजिएगा?

रवि शंकर

दुनिया नए साल में प्रवेश कर चुकी है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है क्या इस साल के आखिर तक अधिकांश आबादी को कोविड के खिलाफ वैक्सीनेटेड किया जा सकेगा?

क्योंकि दुनिया के कई ऐसे गरीब देश हैं, जहां वैक्सीनेशन की रफ्तार बहुत ही धीरे है या उन्हें वैक्सीन नहीं मिल पा रही है। खैर, अभी दुनिया कोविड के नये वैरिएंट ओमीक्रोन की चपेट में है। इससे वैरिएंट से अपने नागरिकों को सुरक्षित करने के लिए जहां कुछ अमीर देश अपने नागरिकों को बूस्टर डोज देने में लगे हुए हैं तो वहीं दूसरी ओर गरीब देश के अधिकांश नागरिकों को अभी तक सिंगल डोज भी नहीं मिल पाया है। यही वजह है कि कम आय वाले देश अभी टीकाकरण के लक्ष्य से काफी दूर हैं।

सबसे कम आय वाले सभी 25 देश अभी भी 40 फीसद टीकाकरण लक्ष्य से दूर हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 194 सदस्य देशों में से आधे देशों में यह लक्ष्य पूरा नहीं हो पाएगा। करीब 40 देशों में तो 10 प्रतिशत लोगों को भी टीका नहीं लगा है। संगठन ने इसके लिए टीकों की जमाखोरी को सबसे बड़ा कारण बताया है और इसके पीछे विशेष रूप से मुट्ठी भर पश्चिमी देशों को जिम्मेदार ठहराया है जो अभी से बूस्टर टीके भी दे रहे हैं, जबकि अभी तक दुनिया भर में टीकों की 8.6 अरब से भी ज्यादा खुराकें दी जा चुकी हैं, लेकिन इनमें से अधिकांश ऊंची आय वाले देशों में दी गई हैं।

इस बीच हाल ही में एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक अमीर देश कोविड-19 वैक्सीन की खुराक का बड़ी मात्रा में संग्रह कर रहे हैं, जिस वजह से गरीब देशों में रहने वाले लोगों को अगले साल तक कोरोना वायरस महामारी से जूझना पड़ सकता है। कहा जा रहा है कि दर्जनों गरीब देशों में 10 में से 9 लोगों को कोरोना वैक्सीन मिलने की संभावना नहीं है। आवर वर्ल्ड इन डाटा के अनुसार दुनियाभर के 35 से भी ज्यादा देश अपने नागरिकों को बूस्टर डोज दे रहे हैं। अलग-अलग देशों में अलग-अलग फैक्टर को ध्यान में रखते हुए लोगों को कोरोना वैक्सीन की बूस्टर डोज दी जा रही है। आवर वर्ल्ड इन डाटा के मुताबिक बूस्टर शॉट के मामले में चिली सबसे आगे हैं। चिली में 53 फीसद से अधिक लोगों को बूस्टर डोज दी जा चुकी है। ब्रिटेन में 47 फीसद से अधिक लोगों को यह डोज दी जा चुकी है। बूस्टर डोज के मामले में तीसरे नंबर पर जर्मनी और चौथे नंबर पर फ्रांस है। जर्मनी में करीब 35 फीसद और फ्रांस में 29 फीसद को यह डोज दी जा चुकी है। इटली में 27 फीसद से अधिक लोगों को बूस्टर डोज दी जा चुकी है। वह छठे स्थान पर है।

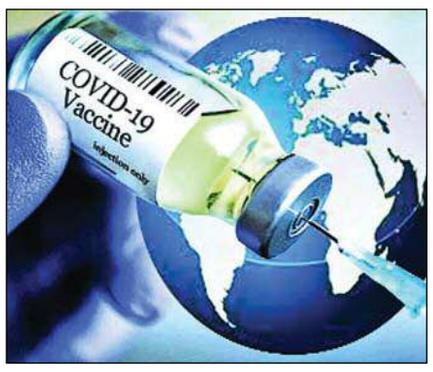

अमेरिका में 19 फीसद से अधिक लोगों को यह डोज मिल चुकी है। चीन में आठ फीसद और रूस में चार फीसद लोगों को यह डोज दी जा चुकी है। इन देशों के पास इतने संसाधन थे कि उन्होंने टीके बनाने वाली कंपनियों के साथ खुद ही करार कर लिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, 5 बिलियन से ज्यादा कोविड डोज में से 75 फीसद डोज पर सिर्फ 10 देशों का कब्जा है। हालांकि गरीब मुल्कों को वैक्सीन के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े, इसके लिए कोवैक्स बनाया गया है। इसका उद्देश्य ही है अमीर या गरीब सभी देशों में तेजी से कोरोना वायरस के टीके को उपलब्ध कराना। यूनिसेफ के अनुसार 10 दिसम्बर तक दुनिया के 144 देशों को कोवैक्स के माध्यम से केवल 65 करोड़ से कुछ ऊपर डोज मिल पाई हैं। अफ्रीका की 80 फीसद से ज्यादा आबादी को पहली डोज भी नहीं मिल पाई है। ये गरीब देश पूरी तरह से कोवैक्स-व्यवस्था पर ही निर्भर हैं। उदाहरण के लिए हेती में 1,00, कांगो में 0.02 और बुरुंडी में 0.01 फीसद लोगों को कम-से-कम एक डोज लगी है। अधिकांश अफ्रीकी देशों में यह आंकड़ा बहुत से बहुत दो अंकों के शुरुआती स्तर तक है। गौर करने वाली बात यह है कि अमीर देशों द्वारा इकट्ठी की गई करीब 10 करोड़ कोविड-19 वैक्सीन बीते साल के अंत तक के साथ बर्बाद हो गई। यह बात साइंटिफिक इन्फॉर्मेशन एंड एनालिटिक्स कंपनी एयरफिनिटी की एक रिसर्च से सामने आई है। बर्बाद होने वाले 10 करोड़ टीकों में से 41 फीसद यूरोपीय संघ के पास और 32 फीसद अमेरिका के पास था।

साफ है, यह असंतुलन अनैतिक और अत्याचार है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अमीर देशों को चेतावनी दी कि वे अपने यहां बूस्टर शॉट्स की व्यवस्था के बारे में फिलहाल न सोचें, बल्कि गरीब देशों के लिए टीके भेजें, क्योंकि वहां टीकाकरण बहुत धीमा है। इस असंतुलन के कारण कुछ जगहों पर कोरोना बगैर रोक-टोक के फैल रहा है। ओमिक्रॉन जैसे नये वैरिएंट के सामने आने के बाद खतरा और ज्यादा बढ़ा है। सवाल है, अगर अमीर और गरीब देशों के बीच ऐसी असमानता रही तो कोरोना दुनिया कैसे खत्म होगा। टीके पर अमीर देशों ने जिस तरह कब्जा कर रखा है,अगर यही हालात बने रहे तो पूरी दुनिया को कोरोना के नये वैरिएंट ओमिक्रॉन से सामना करना मुश्किल हो जाएगा।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

राष्ट्रीय समाज कल्याण संस्था द्वारा हुआ गरीब असहाय जरूत मंदो को लिहाफ वितरण

संवाददाता

स्योहारा। स्थानीय एमक्यू इण्टर कॉलेज में बुधवार को राष्ट्रीय समाज कल्याण संस्था द्वारा लगातार 20 वर्षों कि भांति इस वर्ष भी निर्धन असहाय लोगों को लिहाफ वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रसिद्ध समाजसेवी वरिष्ठ चिकित्सक मनोज वर्मा व संचालन राजपाल प्रजापति ने किया। कार्यक्रम में आए मुख्य अतिथि पुलिस क्षेत्राधिकारी अजय कुमार अग्रवाल ने राष्ट्रीय समाज कल्याण संस्था कि ओर से लगातार 21 वे लिहाफ़ वितरण कार्यक्रम को समाज हित में बताते हुए कहा है संस्था के अध्यक्ष रिफाकत चौधरी द्वारा किये गए कार्य कि सराहना की और इस लिहाफ़ वितरण को समाज की मदद करना बताया। समाजसेवा के कार्यो में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने वाले प्रसिद्ध समाजसेवी मनोज वर्मा ने राष्ट्रीय समाज कल्याण संस्था को बधाई देते हुए कहा कि इस ठिठुरती ठण्ड में संस्था की ओर से बांटे गए लिहाफ किसी भूखे को खाना खिलाने कम नहीं और मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है जिसने मानव सेवा की उसने ईश्वर की सेवा की। थानाध्यक्ष आशीष तोमर ने कहा कि संस्था के लोग बधाई के पात्र हैं 21 वर्षों से गरीबों की मदद करने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

वहीं चेयरमैन पद के भावी प्रत्याशी शुऐब असलम ने कहा कि पिछला के कार्यक्रम में हम सभी को बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए और निर्धन असहाय लोगों की दिल खोलकर मदद करनी चाहिए। धामपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के संभावित प्रत्याशी नासिर चौधरी ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम नगर में होते रहने चाहिये हम सभी को गरीब लोगों को ध्यान में रखते हुए उनकी जरूरतों समझ कर उनकी मदद करनी चाहिए। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष रिफाकत चौधरी ने बताया है कि संस्था की ओर से 125 लिहाफ वितरण कार्यक्रम किया गया है जिसमें नगर के गणमान्य लोगों द्वारा हिस्सा भी लिया गया है उन्होंने कार्यक्रम में आए सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। एड. तुफैल अहमद, महेंद्र कुमार शर्मा, वीरेंद्र कुमार, शीशपाल सिंह, राजवीर सिंह, नजाकत चौधरी, वासिल एडवोकेट, डॉ इश्तियाक, इकरामुद्दीन, भोलू घड़ी वाले, राजवीर त्यागी, , हफीज अहमद, मनोज भटनागर, महफूज अहमद, नसीम मेंबर, मो. नजीर आदि उपस्थित रहे।

इलेक्ट्रिक टैक्नोकुल एनटायर बैटरी शोरूम का हुआ शुभारंभ

संवाददाता

स्योहारा। नगर के ठाकुरद्वारा मार्ग स्थित निकट नवादा चुंगी इलेक्ट्रिक टैक्नोकूल एनटायर बैटरी शोरूम का हुआ शुभारंभ। एनटायर बैटरी एवं इनवर्टर शोरूम का उद्घाटन किया गया। जिसमें नगर के तमाम समाजसेवी व राजनीतिक लोगों ने शिरकत की इस मौके पर एनटायर बैटरी के होलसेल विक्रेता एवं शोरूम स्वामी महताब आलम ने जानकारी देते हुए बताया है कि हमारे शोरूम पर सभी लोगों को भारी छूट के साथ बेस्ट क्वॉलिटी बैटरी इनवर्टर उपलब्ध कराए जाएंगे। हमारे इलेक्ट्रिक टैक्नोकूल शोरूम पर एनटायर बैटरी व अन्य ब्रांडेड बैटरी होलसैल रेट पर उपलब्ध है। महताब आलम अपना लगभग 18 वर्षो से इलेक्ट्रिक टैक्नोकूल नाम से शोरूम चलाते हैं जो अपनी गुणवत्ता और बेस्ट क्वालिटी के लिए नगर व क्षेत्र में प्रसिद्ध होने के साथ-साथ शानदार सर्विस के लिए भी जाना जाता है लगभग सभी क्षमता वाले और भिन्न-भिन्न प्रकार के एंपियर वाले इनवर्टर बैटरी के विश्वसनीय होलसैल विक्रेता महताब आलम के शोरूम के शुभारंभ के मौके पर काफी भीड़ रही। इस मौके पर सपा नेता नजीब उल हसन, समाजसेवी असजद चौधरी, युवा नेता डॉ दानिश कमाल, डॉ जुनैद जैदी, दिलशाद ठेकेदार, इरफान सभासद, दिलशाद अहमद उर्फ भूरे, खालिद चौधरी, जिशान मिर्जा, डॉ परवैज, डॉ साबिर, मो. ज़ाकिर, आमिर सैफी महबूब ज़ैदी, और भी गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बी0 डी0 सेंट्रल एकेडमी, खानपुर स्कूल के बच्चों ने नव वर्ष के शुभ अवसर पर रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया

संवाददाता

मेजा प्रयागराज। बी0 डी0सेंट्रल एकेडमी, खानपुर स्कूल के बच्चों ने नव वर्ष के शुभ अवसर पर रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए अपने गीतों से लोगो का मन मोह लिया और डांस कि प्रस्तुति करते हुए सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रबंधक दुर्गा प्रसाद गुप्ता रहे बच्चों को संबोधित करते हुए दुर्गा प्रसाद गुप्ता ने कहा कि सभी बच्चे कोरोना से बचाव करते हुए अपनेआप को स्वस्थ और सुरक्षित रखते हुए पढ़ाई पर विशेष ध्यान दे नया वर्ष हम सभी के लिए आगे अच्छा रहे यही हमारी ईश्वर से प्रार्थना है ।स्कूल की निर्देशक बबीता गुप्ता ने सभी बच्चो को ठंड से बचाव रखते हुए पढ़ने लिखने के लिए कहा। कार्यक्रम का संचालन स्कूल के छात्र अर्थव द्विवेदी और छात्रा सिफा खातून ने किया कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी बच्चो को मेडल देकर सम्मानित भी किया गया। स्कूल प्रधानाचार्य मेवा लाल यादव ने कहा कि विद्यालय ज्ञान का मंदिर है शक्ति का केंद्र है इस दौरान मुख्य रूप से वेद प्रकाश गुप्ता, दीप चंद्र,रजनीश तिवारी, नेहा गुप्ता, गुंजा , अल्का सिंह, सरिता यादव, जयराजी देवी, ज्योति साहू आदि लोग उपस्थित रहे।

लखनऊ के गोमती नगर व गोमती नगर विस्तार योजना में सरकारी डिग्री कॉलेज खोलने उठी मांग

संवाददाता

लखनऊ। अभिभावक समिति के अध्यक्ष गगन शर्मा ने रक्षा मंत्री भारत सरकार एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह को संबोधित मांग पत्र रक्षा मंत्री के कार्यालय प्रभारी एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ राघवेंद्र शुक्ला को सौंपते हुए कहा है कि गोमती नगर व गोमती नगर विस्तार में लगभग पाँच लाख की जनसंख्या निवास कर रही है।

तथा यहाँ लगभग दस किलोमीटर क्षेत्र में कोई सरकारी डिग्री कॉलेज नहीं है। ऐसी स्थिति में विद्यार्थियों को अत्यधिक दूर स्थित कॉलेज में अध्ययन हेतु जाना पड़ता है। इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से पिछड़े विद्यार्थियों के लिये भी यह एक गंभीर समस्या है क्योंकि वे निजी कॉलेजों का शुल्क वहन करने में असमर्थ होते हैं एवं ऐसे विद्यार्थी उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं जो कि हमारे देश का उज्ज्वल भविष्य हैं। उच्च शिक्षा के अभाव में ऐसे विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभा का सदुपयोग राष्ट्र निर्माण में नहीं हो पाता है। खोले जाने वाले डिग्री कॉलेज में कौशल विकास एवं आत्मनिर्भरता की योजनाओं के केंद्र भी स्थापित हो जिससे कि विद्यार्थी-गण जीवन में आत्म निर्भर हो सकें और इस प्रकार राष्ट्र की चहुंमुखी विकास की भूमिका में आपके बहुमुखी योगदान का लाभ मिल सकेगा। जनहित में गोमती नगरध्गोमती नगर विस्तार योजना में एक ऐसा कौशल विकास एवं आत्मनिर्भरता की योजनाओं के साथ सरकारी डिग्री कॉलेज खुलवाने कि कृपा करें जिसमें शिक्षा के साथ-साथ आत्मनिर्भर होने की भी व्यवस्था हो ताकि उक्त क्षेत्र में विद्यार्थियों का कोई भी वर्ग काम की उच्च शिक्षा से वंचित न रह जाए।

7 जनवरी को सेंट क्लेयर कान्वेंट स्कूल में लगेगा निरूशुल्क वैक्सीनेशन शिविर

संवाददाता

लखनऊ। हरदाइ राड स्थित सेंट क्लेयर्स कान्वेंट स्कूल में 7 जनवरी को प्रात: 10रू00 बजे से सायं 4रू00 बजे तक निरूशुल्क वैक्सीनेशन कैंप लगेगा। कोविड-19 वैक्सीनेशन सेंटर का स्लोगन है चलो वैक्सीन लगवाएं के तहत फ्री वैक्सीनेशन कैंप में 15 से 18 वर्ष के बच्चों का वैक्सीनेशन किया जाएगा। सेंट क्लेयर्स कान्वेंट स्कूल में अधिकांश छात्र छात्राएं 15 से 18 वर्ष के ही हैं जिनका 7 जनवरी शुक्रवार को वैक्सीनेशन किया जाएगा। इलाके के अन्य बच्चे भी वैक्सीन लगवा सकते हैं, साथ में आधार कार्ड और मोबाइल लेकर आना होगा। उक्त जानकारी विद्यालय की प्रधानाचार्य सिस्टर विनीता जोजफ ने दी।

लुई ब्रेल का जन्म दिवस समारोह

❑ ब्रेल की तरह अपनी उपयोगिता का एहसास कराये दिव्यांग– वीरेन्द्र कुमार

कानपुर। सर रावर्ट लुई ब्रेल के जन्म दिवस के अवसर राष्ट्रीय विकलांग पार्टी ने शास्त्री नगर सेन्ट्रल में शिविर व गोष्ठी का आयोजन किया। शिविर का उदघाटन पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र कुमार ने किया ।शिविर में ट्राईसाईकिल, व्हील चेयर, बैसाखी, कान की मशीन, ब्लाइंड स्टीक, रेलवे रियायती, रेलवे यूनिक कार्ड, यू डी आई डी कार्ड, रोजगार के लिए ऋण के फार्म भरे गये ।

शिविर में सभी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गयी। शिविर के उद्घाटन के अवसर पर राष्ट्रीय विकलांग पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र कुमार कुमार ने कहा की विकलांग व्यक्तियों स्वावलम्बी व आत्मनिर्भर बनाने के लिये पार्टी लगातार कार्य कर रही है। वीरेन्द्र कुमार ने कहा की दिव्यांगजन ब्रेल की तरह अपनी उपयोगिता का एहसास कराये। दृढ़ इच्छा शक्ति के बल पर असम्भव को भी सम्भव बनाया जा सकता है। वीरेन्द्र कुमार ने सर रावर्ट लुई ब्रेल के जीवन पर प्रकाश डालते हुये कहा की ब्रेल 6 वर्ष की अवस्था में जुता सिलने वाले अवजार के आंख में चुभने से नेत्रहीन हो गये थे। 17 वर्ष की उम्र में लुई ब्रेल ने एक अंग्रेज अधिकारी के सहयोग से स्पर्श लिपि का आविष्कार करके सारी दुनिया के नेत्रहीन व्यक्तियों को शिक्षा के लिए प्रेरित किया ।जिसकी वजह से ही आज देश व दुनिया के नेत्रहीन उच्च शिक्षा ग्रहण कर ऊंचे पदों पर आसिन हैं। शिविर व गोष्ठी में वीरेन्द्र कुमार, अल्पना कुमार, राहुल कुमार, आनन्द तिवारी, अशोक कुमार, अरविन्द सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, सन्तोष विश्वकर्मा, वैभव दीक्षित, बंगाली शर्मा, अर्पित सिंह आदि शामिल थे!

कैलेंडर, डायरी वितरण कर नव वर्ष की दी शुभकामना

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के गोमती नगर कठौता झील के निकट वास्तु खंड में स्थापित वेदांशिका सिटी के कार्यालय में चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर विनय कुमार कश्यप से भेंट की। बहुजन समाज पार्टी के मुख्य सेक्टर संयोजक लखनऊ विनय कश्यप ने कैलेंडर और डायरी भेंट कर नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए बताया कि 300 से अधिक ग्राहकों एवं सैकड़ों बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं तथा तमाम समाजसेवियों को कैलेंडर व डायरी भेंट कर चुका हूं। रीजनल मैनेजर विवेक भटनागर द्वारा आगंतुकों, ग्राहकों ,पत्रकारों को निरंतर कैलेंडर वितरण किया जा रहा है।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय संयोजक पी. सीं. मिश्रा व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (महिला मोर्चा) दीपिका मिश्रा ने किया बैठक का आयोजन

आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय संयोजक पी0 सीं0 मिश्रा व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (महिला मोर्चा) दीपिका मिश्रा का पूर्वांचल दौरा के तहत वाराणसी में पाताल पूरी पिठाधीश्वर बाबा बालक नाथ जी के आश्रम में वाराणसी के जिला प्रभारी जितेंदेर श्रीवास्तव व महानगर उपाध्यक्ष पवन कुमार पांडेय व अन्य कार्यकता की उपस्थिति में एक एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें संगठन को मजबूत बनाने व संगठन के उद्देश पर प्रकाश डाला गया.

राजाजीपुरमु के टुड़ियन हनुमान मंदिर परिसर में निःशुल्क वैक्सीनेशन कैम्प लगा

भाजपा पार्षद प्रतिनिधि नगेन्द्र सिंह ने शुगर की जांच करा किया कार्यक्रम का शुभारम्भ

संवाददाता

लखनऊ। सामाजिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए टुडियन हनुमान मंदिर परिसर, राजाजीपुरम में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर कैम्प का आयोजन डॉ.नेह श्रीवास्तव, सेवानिवृत अधिकारी, गृह मंत्रालय भारत सरकार ने किया जिसमें कार्यक्रम के आयोजक नेह श्रीवास्तव ने बताया कि हमने डिलाइट सन हॉस्पिटल के पदाधिकारियों के सहयोग मुफ्त निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन करवाना सुनिश्चित किया हमारा उद्देश्य आमजनमानस की सेवाकर मोदी-योगी के सपनों को साकार करना है जहाँ एक ओर विश्व में कोविड़ जैसी सम्बंधित समस्याओं का सभी सामना कर रहे है वहीं हमने संकल्प लिया है कि आमजनमानस को वैक्सीनेशन व आवश्यक चिकित्सीय उपचार उपलब्ध करा सकूं वहीं इस अवसर पर आलमनगर वार्ड पार्षद प्रतिनिधि नगेन्द्र सिंह ने ब्लड शुगर की जांच कराई वही हास्पिटल के सीईओ अंकुर तिवारी ने बताया कि लगभग दो सौ से अधिक लोगों को वैक्सीनेशन, दवा-वितरण, ब्लड़ प्रेशर, ब्लड़-सुगर, सांस की जांच, हीमोग्लोबिन की निशुल्क जांच सहित वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा उपचार सम्बंधित आवश्यक परामर्श भी दी गई इस अवसर पर डॉ.अंकुर तिवारी, डॉ.एम अहमद, डॉ.रश्मि, डॉ.शैफ ाली, डॉ.सीमा, प्रियंका यादव नर्सिंग स्टाफ सहित अन्य भाजपा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सर्वहारा विकास पार्टी का प्रथम आधिकारिक घोषणा लखनऊ में संपन्न हुई

लखनऊ,सर्वहारा विकास पार्टी एक लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और समाजवाद में आस्था रखने वाली राजनैतिक पार्टी है, जो समता मूलक समाज के निर्माण में विश्वास रखती है। पार्टी का प्रमुख उद्देश्य भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त समान अवसर के सिद्धांत को अपनाकर शोषित,वंचित, श्रमिक, अनुसूचित-जातियों,अनुसूचित-जन जातियों, अल्पसंख्यकों, पिछड़े वर्गों, महिलाओं एवम युवाओं के लिए विशेष अवसर उपलब्ध कराने हेतु दृढ़ संकल्पित रहना है। सर्वहारा विकास पार्टी समाज के खासकर श्रमिक एवं शोषित वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करेगी और उन्हें सामाजिक विकास की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी। सर्वहारा विकास पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम् डी कर्णधार ने बताया कि सर्वहारा वर्ग मानव इतिहास में सबसे महान एवं विशाल है, विचारधारा ,राजनीति और सांस्कृतिक विरासत की दृष्टि से इसे क्रांतिकारी वर्ग कहना कोई अतिश्योक्ति नही होगी। परन्तु आज यह दिन के उजाले की तरह स्पष्ट है कि वर्तमान राजनितिक परिदृश्य में इसकी स्थिति किसी से छिपी नही है और यह महान वर्ग आज भी शोषण का शिकार है जबकि इस वर्ग के पास देश की दिशा एवं दशा बदलने कि एक जबरदस्त क्षमता एवं प्रेरक शक्ति है , इस वर्ग को पुनर्स्थापित करने, उसके राजनितिक एवं सामाजिक अधिकारों को वापस दिलाने हेतु सर्वहारा विकास पार्टी दृढ़ता पूर्वक आगे बढ़ती रहेगी, सर्वहारा विकास पार्टी का ये अनुभव है कि कुछ राजनितिक दलों ने समाज के सर्वाधिक पिछड़े वर्गों, जिसमे उत्तर प्रदेश का मछुआ समुदाय की गणना प्रमुखता से की जाती है, को मात्र अपना वोट बैंक मानकर उनके हितो के साथ सौदेबाजी कर अपना हित साधा गया, पार्टी का चिंतन है कि इस दुर्व्यवस्था, छल व प्रपंच से इन वर्गों को मुक्त कराकर इन वर्गों के हितो कि रक्षा हेतु स्वच्छ मन, निष्पक्ष भाव व् पूर्ण ईमानदारी के साथ जमींन पर उतरकर संघर्ष किया जाये। पार्टी चाहती है कि मंडल कमीशन कि सभी संस्तुतियां, जिसमे शिक्षा, रोजगार, चिकित्सा, व्यवसाय, न्याय आदि सभी क्षेत्रो में आरक्षण कि व्यवस्था सुनिश्चित कर उसे लागु किया जाये , निजी सेक्टरों में भी आरक्षण कि व्यवस्था कि जाये ताकि सर्वहारा समाज को संबिधान प्रदत्त गरिमामय जीवन जीने अधिकार प्राप्त हो सके। जल जंगल एवं जमीन पर निषादो, आदिवासियों, भूमिहीनों को मलिकाना हक दिलाना पार्टी की प्रमुख विचारधारा में से एक है और साथ ही साथ सबको एक समान शिक्षा, अवसर की समानता एवं चिकित्सा कि गारंटी भी दी जाये पार्टी ये मानती है कि राजनीति में महिलाओं कि राजनितिक भागीदारी हो, सर्वहारा समाज में वैज्ञानिक सोच व् चेतना के विकास हेतु अंधविश्वासों, रूढ़ियों व तमाम तरह कि सामाजिक बुराईयो को दूर करने हेतु ये पार्टी कृत संकल्प है।

सर्वहारा विकास पार्टी कि प्रेस वार्ता में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व डी आई जी एम् डी कर्णधार, सह संथापक एवं राष्ट्रीय कोशाध्यक्ष बृजेश कश्यप, राष्ट्रीय प्रवक्ता मृत्युंजय साहनी , प्रदेश अध्यक्ष श्री घनश्याम दत्त निषाद , राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य अभिषेक निषाद महेंद्र निषाद , डा आशा प्रसाद , चन्दन निषाद , बाबूलाल भारती, रमेश मल्लाह इंद्रदेव निषाद , रामसनेही निषाद , घनश्याम निषाद , जगजीवन कश्यप ,शशिकान्त सहानी, इंद्रेश निषाद एवं पार्टी के संस्थापक व् राष्ट्रीय महा सचिव ई शिव साहनी आदि लोगो कि उपस्थिति रही।

जनपद स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

संवाददाता

हरदोई। फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत आज कृषि विज्ञान केंद्र हरदोई पर जनपद स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ । इसमे जनपद के ग्राम बावन, मुजाहिदपुर, निजामपुर, शकतपुर, अलावलपुर, उत्तरा, रुकमनापुर आदि ग्रामसभा के 200 से अधिक कृषकों एवं कृषक महीलाओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक के ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि श्री धर्मेंद्र सिंह ने किया। सर्वप्रथम प्रमुख प्रतिनिधि द्वारा फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात प्रमुख प्रतिनिधि का स्वागत केन्द्र अध्यछ डॉ रामप्रकाश एवं किसानों द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी श्री सुरेश कुमार, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ दीपक कुमार मिश्र , डॉ डीबी सिंह, डॉ पृथ्वी पाल , डॉ सीपीएन गौतम, डॉ राजीव दीक्षित एवं केंद्र के अध्यक्ष डॉक्टर रामप्रकाश ने सहभाग किया। इसमें किसानों को फसल अवशेष ना जलाने के लिए अच्छी प्रकार से जागरूक किया गया। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ दीपक कुमार मिश्र ने फसल के अवशेष को जलाने से होने वाली हानियों के बारे में विस्तार से चर्चा किया तथा फसल अवशेष प्रबंधन करने से क्या-क्या लाभ होते हैं एवं मृदा में इससे क्या फायदे होते हैं विस्तार पूर्वक कृषकों को जागरूक किया। जिला उद्यान अधिकारी ने उद्यान विभाग द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं के बारे में विस्तार से किसको को बताया । केंद्र के वैज्ञानिक डॉ पृथ्वी पाल ने उद्यानिकी फसलों के फसल अवशेष प्रबंधन के तरीके बताएं। इसी क्रम में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ सी पी एन गौतम ने फसल अवशेष प्रबंधन के नवीनतम तकनीक के बारे में चर्चा किया । केंद्र के अध्यक्ष डॉ रामप्रकाश ने किसानों को नई तकनीक से खेती करने एवं कृषि विज्ञान केन्द्र से सदैव जुड़े रहने के लिए कहा। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राजीव कुमार दीक्षित ने पशुओं के पालने एवं उसके प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा किया।

भाजपा के खिलाफ किसानों और बेरोजगार नवयुवको में भारी आक्रोशः आसिफ खां

संवाददाता

हरदोई। ग्राम पीला महुआ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के नेता पूर्व विधायक आसिफ खाँ बब्बू ने कहा कि किसानों और बेरोजगार नवयुवको में भाजपा सरकार के खिलाफगहरा आक्रोश व्याप्त है वही अखिलेश यादव के समर्थन में उमड़ते जनसैलाब और जनता के उत्साह में 2022 की तस्वीर साफदिखाई दे रही है। पूर्व विधायक बब्बू ने कहा कि वे धर्म और जाति के नाम पर राजनीति नही करते और सभी धर्मों का सम्मान करना उन्हें आता है इन्सानित सबसे बढ़कर है और वे भाईचारे को निभाकर राजनीति करते आये है।अब जब चुनाव का समय आ गया है तो विभिन्न विपक्षी पार्टियों के नेता अपने स्वार्थवश तरह तरह की मतभेद पैदा करने वाले भाषणों से आम जनता को गुमराह करने की कोशिश करेंगे ।लेकिन उन्हें शायद यह नही मालूम कि यह जनता है यह सब जानती है ।भाजपा के लोग धर्म जाति के नाम पर वोट लेने की राजनीति करते है।और चुनाव जीतने के बाद अगर कोई व्यक्ति पहुँचता है तो उसको निराशा हाथ लगती है ।पिछले 5 वर्षो में हमारी क्षेत्र की जनता ने जेब मे रखे गांधी जी छपे नोटो को देकर थाने,तहसील में अपनी इज्जत बचाई है। भाजपा अब लुभावने वादों से लोगो लुभा रही है लेकिन युवा बेरोजगार कैसे भूलेगा वो लाठियां जो उसने रोजगार के लिये खाई और कैसे भूलेंगे वो किसान जिन्होंने अपने हक के लिये एक बर्ष से अधिक समय अपने परिवार को छोड़कर सड़को पर बिताए है और 700 से अधिक साथियों को भाजपा की तानाशाही की बली चढ़ना पड़ा ।कैसे भूलेगे वो परिवार जिनके लोगो पर भाजपा के मंन्त्री के बेटे ने गाड़ी चढ़ाकर जान ले ली और आज भी मन्त्री को भाजपा सरकार बचाये है।अब जब भाजपा सरकार को अपना सिंघासन डोलता दिखा तो किसान बिल वापसी ले लिया लेकिन किसानों ने पूछा कि क्या मेरे खोये बेटो को वापस दिला सकती है ये सरकार। तो फिर तुम्हारी माफी वाले घड़ियाली आसुओ का कोई मतलब नही ।पूर्व विधायक बब्बू ने कहा कि इस बढ़ती महगांई ने सभी घरों का बजट ही बिगाड़ दिया है लेकिन महगांई के नाम पर तो सरकार ने चुप्पी साध रखी है।अब तो जनता ने ठान लिया है कि वह भाजपा सरकार को जड़ से उखाड़ फेकेंगे ।अब 2022 में बदलाब होकर रहेगा जिसके बाद यूपी में सुशासन चलेगा और महगांई और बेरोजगारी के मुद्दों पर बात के साथ समाधान होगा ।साथ ही किसान भाइयों को उनकी फसलों का बाजिब मूल्य मिलेगा जिससे किसान को भी खुशहाली मिलेगी ।पूर्व विधायक ने ग्राम महमदपुर और परसई में भी जनसभाओं को संबोधित किया ।इस मौके पर प्रधान रणजीत सिंह,जिला पंचायत सदस्य संजू पाल,प्रदीप पाल दाताराम,प्रधान राम बिलास,प्रधान सतीश सिंह,प्रधान सीताराम,प्रधान धर्मेंद्र,प्रभु सिंह,पूर्व प्रधान विशम्भर पाल,रामसेवक,संजय श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

मायलैब डिस्कवरी सॉल्यूशंस ने कोवीसेल्फ का उत्पाद बढ़ाया

लखनऊ। देश में कोरोनावायरस के ओमिक्रॉन स्वरूपों के संक्रमण के उभरने के बीच, माय लेब द्वारा भारत की पहली स्वयं-परीक्षण करने वाली परीक्षण किट कोवीसेल्फ की मांग में पिछले कुछ हफ्तों में अचानक उछाल देखा गया है। स्वयं -परीक्षण किट ओमिक्रोन सहित कोरोनावायरस के प्रमुख स्वरूपों का पता लगा सकती है। कंपनी ने उत्पादन बढ़ाया है और पूरे भारत में परीक्षण उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है। मायलैब डिस्कवरी सॉल्यूशंस के एमडी और सह-संस्थापक हसमुख रावल ने कहा, हमने पिछले 11 हफ्तों में कोवीसेल्फ टेस्टिंग किट की मांग में 4.5 गुना वृद्धि देखी है। हमारे पास कोविड परीक्षण किट की अपनी इकाई में 2.4 मिलियन यूनिट की उत्पादन क्षमता है और अगर मांग जारी रहेगी तो हम इसे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। हम आने वाले महीनों में और वृद्धि की उम्मीद करते हैं। स्थिति को देखते हुए कंपनी ने सभी प्रमुख ऑनलाइन चौनलों के साथ-साथ कंपनी की वेबसाइट पर ऑनलाइन ऑर्डर प्राप्त करने के लिए परीक्षण किट उपलब्ध कराया है।

आलिया भट्ट ने कैमरे के सामने कर दी ऐसी हरकत, लोगों ने कह दिया फेक

आलिया भट्ट (Alia Bhatt) इन दिनों मीडिया के कैमरों में कैद हो ही जाती हैं. एक्ट्रेस की बैक टू बैक कई फिल्में आ रही हैं, जिसे लेकर वो प्रमोशन में पहुंची ही रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस को फिर से स्पॉट किया गया और इस दौरान वो ऐसी हरकत करती नजर आईं कि ट्रोलर्स ने उन्हें अपने निशाने पर ही ले लिया. एक्ट्रेस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

आलिया की हंसी

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट (Alia Bhatt) न सिर्फ सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं बल्कि पैपराजी से भी काफी शालीन तरीके से मिलती हैं. एक्ट्रेस हाल ही में जब मीडिया फोटोग्राफर्स से मिलीं तो न जाने किस बात पर उन्हें काफी हंसी आ रही थी. आलिया भट्ट का ये वीडियो इंटरनेट पर वायरल होने लगा. लेकिन ट्रोल्स को आलिया भट्ट की हंसी पसंद नहीं आई और उन्होंने आलिया की हंसी को बनावटी और शो ऑफ वाली हंसी बताते हुए उन्हें ट्रोल कर दिया.

लोगों का पसंद नहीं आई हंसी

पैपराजी विरल भयानी ने आलिया भट्ट (Alia Bhatt) के इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. विरल ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, उसने पापाराजी को मैनेज करने में पोस्ट ग्रैजुएशन कर रखा है. वीडियो को लाखों लोगों ने पसंद किया लेकिन कमेंट सेक्शन में लोग आलिया को ट्रोल करते दिखे. एक यूजर ने लिखा, जबरदस्ती की हंसी.

आलिया को किया ट्रोल

एक अन्य यूजर ने लिखा, इसकी हंसी देखकर पता नहीं क्यों दुख होता है. एक यूजर ने आलिया (Alia Bhatt) को ट्रोल करते हुए लिखा, एक बार इन्होंने दीपिका पादुकोण के बारे में कहा था कि कोई कैसे हर वक्त एयरपोर्ट पर हंसता हुआ और जुल्फें लहराया हुआ नजर आ सकता है. अब देखिए जरा वो खुद ऐसा ही करने की कितनी कोशिश कर रही है.

फैंस ने बांधे तारीफों के पुल

ट्रोल्स ने जहां आलिया को उनकी हंसी के लिए ट्रोल किया है वहीं ढेरों यूजर्स ने आलिया भट्ट की तारीफों के पुल बांधे हैं. फैंस को आलिया की ये हंसी काफी क्यूट लगी है और लोग कमेंट सेक्शन में फायर और हर्ट इमोजी बनाकर अपनी प्रतिक्रिया देते दिखे. वर्क फ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट जल्द ही फिल्म ब्रह्मास्त्र में रणबीर कपूर के साथ काम करती नजर आएंगी.

आलिया भट्ट (Alia Bhatt) का एक वीडियो वायरल हो रहा है. इस वीडियो में एक्ट्रेस ने ऐसा काम कर दिया कि लोग उन्हें ट्रोल करने लगे.

लिव-इन में रहने के बाद फरहान-शिबानी कर सकते हैं शादी, इस महीने बजेगी शहनाई!

पिछले साल 2021 में एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के कई कपल्स ने सात लिए थे. विक्की-कैटरीना से लेकर अंकिता लोखंडे तक शादी कर चुके हैं. अब एक और कपल की शादी करने की खबर सामने आ रही हैं. हम बात कर रहे हैं फरहान अख्तर (Farhan Akhtar) और शिबानी दांडेकर (Shibani Dandekar) की. बताया जा रहा है कि यह कपल इस साल मार्च में सात फेरे लेगा.

इस महीने हो सकती है शादी

हमारी सहयोगी वेबसाइट बॉलीवुड लाइफ के अनुसार, फरहान अख्तर (Farhan Akhtar) और शिबानी दांडेकर (Shibani Dandekar) मार्च, 2022 में शादी करने का प्लान बना रहे हैं. दोनों मुंबई में ही शादी के बंधन में बंधेंगे. देश में बढ़ते कोरोना केस के कारण कपल की शादी मे चुनिंदा लोग ही शामिल होंगे.

5 स्टार होटल किया बुक

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई सेलेब्स लगातार कोरोना पॉजिटिव हो रहे हैं, जिसके चलते फरहान और शिबानी (Farhan Akhtar And Shibani Dandekar Wedding) की शादी में केवल परिवार और कुछ करीबी दोस्त ही शामिल होंगे. मालूम हो कि पिछले कुछ दिनों में जॉन अब्राहम, मृणाल ठाकुर, एकता कपूर, करीना कपूर जैसे सितारे कोरोना की चपेट में आ चुके हैं.

कपल की शादी की तैयारियां शुरू

कपल ने अभी से शादी की तैयारियां शुरू कर दी है. रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि फरहान अख्तर (Farhan Akhtar) और शिबानी दांडेकर (Shibani Dandekar) ने शादी के लिए एक फाइव स्टार होटल भी बुक किया है. शादी में दोनों सितारे सब्यसाची का स्पेशल कलेक्शन पहन सकता है.

कई सालों से एक-दूसरे को कर रहे डेट बता दें कि फरहान और शिबानी पिछले कई सालों से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. इससे पहले एक इंटरव्यू के दौरान शिबानी दांडेकर (Shibani Dandekar) ने फरहान अख्तर (Farhan Akhtar) के बारे में बात करते हुए बताया था दोनों साथ में ज्यादा से ज्यादा टाइम स्पेंड करते हैं. उन्होंने कहा, हम दोनों कई सारी चीजें साथ में करते हैं, जिस कारण हम काफी वक्त साथ में बिताते हैं. घर में साथ काम करने के बाद हम दोनों अपने-अपने काम पर निकल जाते हैं. हम दोनों की पसंद भी काफी मिलती है, जिसके कारण हम साथ में कभी बोर नहीं होते हैं.

गुड न्यूज देने के बाद काजल अग्रवाल ने शेयर की ऐसी फोटो, इंटरनेट पर हुई वायरल

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजल अग्रवाल (Kajal Agarwal) इन दिनों अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर सुर्खियों में हैं. हाल ही में पति गौतम किचलू (Gautam Kitchlu) ने सोशल मीडिया पर पत्नी काजल की प्रेग्नेंसी कंफर्म की थी. अब काजल (Kajal Agarwal) ने खुद बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए अपनी फोटो शेयर की है, जो सोशल मीडिया पर छाई हुई है.

ब्लैक ड्रेस में फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

काजल अग्रवाल (Kajal Agarwal) ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक फोटो शेयर की है, जिसमें उनका बेबी बंप साफ नजर आ रहा है. फोटो में काजल (Kajal Agarwal) के साथ उनके पति गौतम किचलू भी दिख रहे हैं. इस दौरान काजल थाई हाई स्लिट गाउन में बेहद खूबसूरत और ग्लैमरस लग रही हैं. वहीं उनके पति गौतम ब्लैक टी-शर्ट और डेनिम में हैंडसम दिख रहे हैं. इस फोटो को शेयर करते हुए काजल ने नए साल का स्वागत किया है.

पति ने कंफर्म की थी काजल की प्रेग्नेंसी

बीते 1 जनवरी को गौतम किचलू (Gautam Kitchlu) ने इंस्टाग्राम पर पत्नी काजल अग्रवाल (Kajal Aggarwal) की एक फोटो शेयर की थी. उन्होंने कैप्शन में लिखा, 2022, आपका इंतजार कर रहा है. इसके साथ ही उन्होंने प्रेग्नेंट महिला की इमोजी बनाई थी. इस तरह गौतम ने कंफर्म किया था कि पत्नी काजल प्रेग्नेंट हैं. मालूम हो कि काजल अग्रवाल ने 30 अक्टूबर, 2021 को गौतम किचलू के साथ शादी रचाई थी.

प्रेग्नेंसी की खबरों पर तोड़ी थी चुप्पी

गौरतलब है कि काजल अग्रवाल (Kajal Aggarwal) पिछले कुछ दिनों से अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं. कुछ समय पहले एयरपोर्ट से काजल की एक तस्वीर वायरल हुई थी, जिसे देखकर लोग उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर कयास लगाने लगे थे. फोटो वायरल होने के बाद काजल ने ई-टाइम्स के साथ बातचीत में कहा था कि मैं अभी इसके बारे में बात नहीं करना चाहूंगी. सही समय आने पर मैं इसके बारे में बात करूंगी. हालांकि, इस दौरान उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी की खबरों को खारिज नहीं किया था.

कैटरीना कैफ से कम फिटनेस फ्रीक नहीं है उनके ससुर, वर्कआउट करता देख छूट जाएंगे पसीने!

Vicky Kaushal के पिता और कैटरीना कैफ (Katrina Kaif) के ससुर शाम कौशल (Sham Kaushal) बॉलीवुड इडंस्ट्री के टॉप एक्शन डायरेक्टर्स में से एक हैं. वैसे तो वह अपनी सादगी के लिए मशहूर हैं, लेकिन इन दिनों एक वीडियो वायरल होने की वजह से वह सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं. शाम कौशल (Sham Kaushal) का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह जिम में जमकर वर्कआउट करते हुए नजर आ रहे हैं.

जिम में जमकर बहाया पसीना

इस वीडियो को सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है जिसमें देखा जा सकता है कि शाम कौशल (Sham Kaushal) रोप बैटल एक्सरसाइज कर रहे हैं. इस उम्र में भी उनके वर्कआउट करने के इस अंदाज को देखकर फैंस हैरान हो गए हैं. कमेंट सेक्शन में लोग उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं.

कैटरीना कैफ संग कर चुके हैं काम

शाम कौशल (Sham Kaushal) कई बड़ी फिल्मों के एक्शन डायरेक्ट कर चुके हैं. उन्होंने कबीर खान (Kabir Khan) की फिल्म फैंटम (Phantom) का भी एक्शन डायरेक्ट किया था जिसमें कैटरीना कैफ और सैफ अली खान (Saif Ali Khan) लीड रोल में थे. इस फिल्म में कैटरीना ने कई स्टंट्स और एक्शन सीन्स शाम कौशल की देखरेख में किया था.

विक्की और कैटरीना की फिल्में

विक्की कौशल (Vicky Kaushal) के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों वह अपनी नई फिल्म की शूटिंग मध्यप्रेदश के इंदौर में कर रहे हैं. फिल्म का नाम लुका छुपी 2 बताया जा रहा है, जिसमें विक्की (Vicky Kaushal) के अपोजिट सारा अली खान (Sara Ali Khan) नजर आएंगी.

हाल ही में फिल्म सेट से कई तस्वीरें सामने आई थीं, जिसमें विक्की और सारा बाइक पर इंदौर की सड़कों पर घूमते हुए नजर आए थे. वहीं, कैटरीना कैफ की बात करें तो वह सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 में नजर आएंगी. फिलहाल फिल्म की शूटिंग अभी पूरी नहीं हुई है.

कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर लगे पत्थर के बारे में जो बताया जाता है वह कितना सच है

ओडिशा के कोणार्क शहर में प्रतिष्ठित सूर्य मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहरों में शामिल हैं। वैसे तो इस मंदिर का निर्माण हजारों वर्षों पूर्व हुआ माना जाता है लेकिन कई इतिहासकार मानते हैं कोणार्क सूर्य मंदिर का निर्माण 1253 से 1260 ई. के बीच हुआ था। भारत के सुप्रसिद्ध मंदिरों में शुमार कोणार्क सूर्य मंदिर में सूर्य देव को रथ के रूप में विराजमान किया गया है तथा पत्थरों को उत्कृष्ट नक्काशी के साथ उकेरा गया है। स्थानीय लोग यहां सूर्य-भगवान को बिरंचि-नारायण भी कहते थे।

कोणार्क सूर्य मंदिर की खासियत

केसरी वंश के राजा द्वारा निर्मित इस मंदिर की शिल्पकला दर्शनीय है। मंदिर का निर्माण सूर्य के काल्पनिक रथ का रूप देकर किया गया है। सूर्य मंदिर चौकोर परकोटे से घिरा है। इसके तीन तरफ ऊंचे-ऊंचे प्रवेशद्वार हैं। पूरब दिशा में मुख्य द्वार है जिसके सामने समुद्र से सूर्य उदय होता दिखाई पड़ता है। इसमें सूर्य भगवान को अपने विशाल चौबीस पहियों तथा सात घोड़ों के रथ पर सवार होकर दिनभर की यात्रा के लिए निकलते हुए दिखाया गया है। रथ के सात घोड़ों को सूर्य के प्रकाश के सात रंगों तथा चौबीस पहियों की परिक्रमा के प्रतीक रूप में दिखाया गया है। कोणार्क सूर्य मंदिर ओडिशा के स्वर्णकाल तथा कलिंग शैली की शिल्पकला का प्रतीक है। इस मंदिर की दीवारों पर पत्थर की नक्काशी की हुई अनेक आकर्षक प्रतिमाएं हैं। सूर्य भगवान के रथ की अलंकृत नक्काशी वाला यह बेजोड़ मंदिर भव्यता में अद्भुत है।

कोणार्क मंदिर से जुड़ी अजब कथा

कई कथाओं में इस प्रकार का उल्लेख मिलता है कि कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर एक चुम्बकीय पत्थर लगा है जिसके प्रभाव से, कोणार्क के समुद्र से गुजरने वाले सागरपोत इस ओर खिंचे चले आते हैं, जिससे उन्हें भारी क्षति हो जाती है। एक अन्य कथा में उल्लेख मिलता है कि शिखर पर लगे इस पत्थर के कारण पोतों के चुम्बकीय दिशा निरूपण यंत्र सही दिशा नहीं बता पाते थे इसलिए कुछ आक्रांता इस पत्थर को निकाल कर ले गये जिससे मंदिर को नुकसान हुआ था। हालांकि यह सब कही-सुनी बातें हैं इसका कोई ऐतिहासिक साक्ष्य उपलब्ध नहीं है।

कोणार्क मंदिर देखने कैसे आएं

यदि आप भी कोणार्क सूर्य मंदिर आना चाहते हैं तो भुवनेश्वर और पुरी से यहां आसानी से आ सकते हैं। ओडिशा पर्यटन विकास निगम की ओर से यहां भ्रमण की भी व्यवस्था कराई जाती है। वैसे कोणार्क में रहने की भी पर्याप्त व्यवस्था है। पर्यटक चाहें तो भुवनेश्वर से यहां आकर भ्रमण कर के उसी दिन वापस लौट सकते हैं। कोणार्क में रहने के लिए पर्यटन विभाग के लाज, टूरिस्ट बंगला और निरीक्षण भवन भी हैं।

कोणार्क का समुद्र तट भी अवश्य देखें

कोणार्क का समुद्र तट विश्व के सुंदरतम तटों में से एक माना गया है। यहां समुद्र के रेतीले गुट का आनंद उठाया जा सकता है। समुद्र की खूबसूरती निहारते हुए उठती-गिरती लहरों को देखना मंत्रमुग्ध कर देता है। यह एक सुंदर पिकनिक स्थल भी है। समुद्र तट सूर्य मंदिर से तीन किलोमीटर दूर है। इसके अलावा कोणार्क की दुर्लभ कलाकृतियों का संग्रह देखने के लिए मंदिर के पास ही स्थित संग्रहालय भी जा सकते हैं।

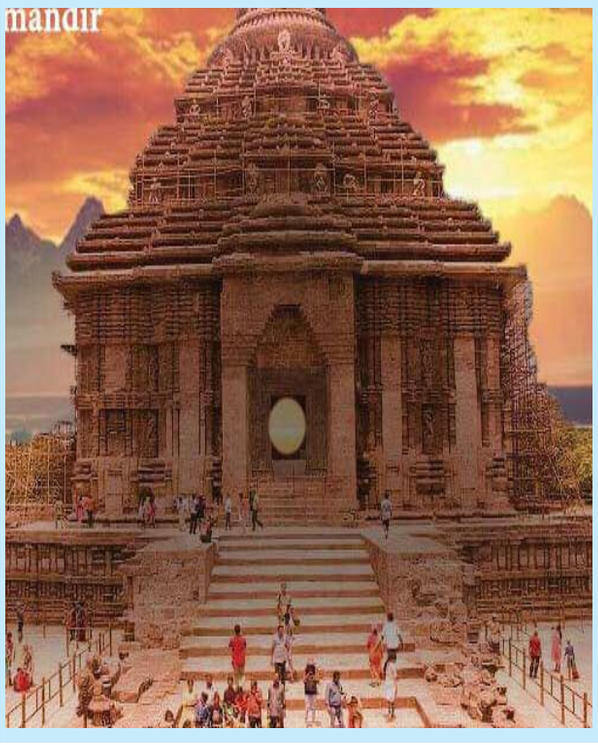

गुजरात का यह मंदिर दिन में दो बार हो जाता है गायब, जानिए क्या है रहस्य

भारत में कई हिस्सों में भगवान शिव के कई प्राचीन मंदिर हैं जहाँ दूर-दूर से लोग दर्शन करने के लिए आते हैं। लेकिन आज हम आपको भगवान शिव के एक ऐसे अनोखे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जो दिन में दो बार गायब हो जाता है। जी हाँ, गुजरात में स्थित स्तंभेश्वर मंदिर को 'गायब मंदिर' भी कहा जाता है। देश-विदेश से शिव भक्त अपनी मनोकमना पूर्ण होने की कामना के साथ इस मंदिर में आते हैं। आइए जानते हैं भगवान भोलेनाथ के इस अद्भुत मंदिर के बारे में -

वडोदरा के पास स्थित है स्तंभेश्वर मंदिर

स्तंभेश्वर मंदिर गुजरात के जम्बूसार तहसील में कवि कंबोई गांव में स्थित है। यह मंदिर वडोदरा से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित होने के कारण वडोदरा के पास सबसे लोकप्रिय दार्शनिक स्थलों में से एक है। यह मंदिर लगभग 150 साल पुराना है और इसे %गायब मंदिर% भी कहा जाता है। सालभर मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। खासतौर पर सावन के महीने में इस मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से महादेव के दर्शन करने के लिए यहां आते हैं।

स्कंद पुराण में मिलता है उल्लेख

स्कन्द पुराण में दिए गए उल्लेख के अनुसार स्तम्भेश्वर मंदिर को भगवान कार्तिकेय के ताड़कासुर नाम के राक्षस को नष्ट करने के बाद स्थापित किया था।

कहा जाता है कि राक्षस ताड़कासुर भगवान शिव का बहुत बड़ा भक्त था। उसने भगवान को प्रसन्न करने के लिए घोर तपस्या कीऔर भोलेनाथ ने उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर उसे एक वरदान मांगने को कहा। तब ताड़कासुर ने आशीर्वाद माँगा कि भगवान शिव के छह दिन के पुत्र के अलावा कोई भी उसे मार न सके। उसकी इच्छा पूरी होने के बाद, ताड़कासुर ने तीनों लोकों में हाहाकार मचा दिया। तब ताड़कासुर के अत्याचार को समाप्त करने के लिए भगवान शिव ने अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से भगवान कार्तिकेय की रचना की। ताड़कासुर को मारने वाले भगवान कार्तिकेय भी उसकी शिव भक्ति से प्रसन्न थे। इसलिए, प्रशंसा के संकेत के रूप में, उन्होंने उस स्थान पर एक शिवलिंग स्थापित किया जहां ताड़कासुर का वध किया गया था।

एक अन्य संस्करण के अनुसार, ताड़कासुर को मारने के बाद भगवान कार्तिकेय खुद को दोषी महसूस कर रहे थे क्योंकि ताड़कासुर राक्षस होने के बाद भी भगवान शिव का भक्त था। तब भगवान विष्णु ने कार्तिकेय को यह कहते हुए सांत्वना दी कि आम लोगों को परेशान करके रहने वाले राक्षस को मारना गलत नहीं है। हालाँकि, भगवान कार्तिकेय शिव के एक महान भक्त को मारने के अपने पाप से मुक्त होना चाहते थे। इसलिए, भगवान विष्णु ने उन्हें शिव लिंग स्थापित करने और क्षमा के लिए प्रार्थना करने की सलाह दी।

मंदिर के गायब होने के पीछे है यह वजह

स्तंभेश्वर मंदिर के गायब होने के पीछे की वजह प्राकृतिक है। दरअसल, यह मंदिर समुद्र के किनारे से कुछ मीटर की दूरी पर स्थित है। इसलिए दिन में समुद्र का स्तर इतना बढ़ जाता है कि मंदिर जलमग्न हो जाता है। फिर कुछ जो देर में जल का स्तर घट जाता है जिससे मंदिर फिर से दिखाई देने लगता है से प्रकट होता है। चूंकि समुद्र का स्तर दिन में दो बार बढ़ जाता है इसलिए मंदिर हमेशा सुबह और शाम के समय कुछ देर के लिए गायब हो जाता है। इस नज़ारे को देखने के लिए श्रद्धालु दूर-दूर से इस मंदिर में आते हैं।

बिना तेल और घी के जलता है दीया, तिरुपति बालाजी मंदिर से जुड़े चमत्कारी रहस्यों के बारे में कितना जानते हैं आप?

भारत में एक ऐसा मंदिर मौजूद है जहाँ भगवान स्वयं विराजमान है। यह मंदिर है भगवान तिरुपति बालाजी का जिन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मन्दिर भारत के सबसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में से एक है। तिरुमला की पहाड़ियों पर बना श्री वैंकटेश?वर बालाजी मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के तिरुपति में स्थित है। यह मंदिर समुद्र तल से 3200 फीट ऊंचाई पर स्थित है और तिरुपति के सबसे बड़े आकर्षण का केंद्र है। कहा जाता है जो भी व्यक्ति एक बार यहाँ दर्शन कर ले उसके भाग खुल जाते हैं। इस मंदिर की लोकप्रियता से हर कोई वाकिफ है पर क्या आप मंदिर के चमत्कारी रहस्यों के बारे में जानते हैं। आज हम आपको इन्हीं रहस्यों के बारे में बताने वाले हैं-

मान्यता है कि जब भगवान की पूजा की जाती है तो उनकी मूर्ति मुस्कुराने लगती है। भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी की मूर्ति में माता लक्ष्मी भी समाहित है। मान्यता है कि भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर की मूर्ति इस मंदिर में स्वयं प्रकट हुई थी।

कहा जाता है भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी की मूर्ति पर लगे हैं बाल असली हैं। यह बाल कभी भी उलझते नहीं हैं और हमेशा मुलायम रहते हैं।

जब आप मंदिर के गर्भ गृह के अंदर जायेंगे तो ऐसा लगेगा कि भगवान श्री वेंकेटेश्वर की मूर्ति गर्भ गृह के मध्य में स्थित है, पर जब आप गर्भ गृह से बाहर आकर मूर्ति को देखेंगे तो प्रतीत होगा कि भगवान की प्रतिमा दाहिनी तरफ स्थित है।

तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर समुद्र तल से 3200 फीट ऊंचाई पर स्थित है लेकिन फिर भी भगवान की मूर्ति से समुद्र की आवाजें सुनाई देती हैं। यहाँ के लोगों का मानना है कि भगवान की यह मूर्ति समुद्र से प्रकट हुई थी इसलिए इससे समुद्र की आवाज सुनाई देती है।

तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर के द्वार पर एक छड़ी रखी हुई है। इस छड़ी को लेकर अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित है। एक कथा के अनुसार जब भगवान विष्णु धरती पर माता लक्ष्मी को ढूंढ़ने आये थे तो यह छड़ी उन्हें उनका पता बता रही थी।

ऐसी मान्यता है कि यह वहीं छड़ी है जिससे बचपन में भगवान वेंकटेश्वर जी को चोट लगी थी। चोट का निशान आज भी उनकी मूर्ति के चेहरे पर है। इसलिए हर शुक्रवार उनके चेहरे पर चन्दन का लेप लगाया जाता है।

श्री तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर में श्रृंगार, प्रसाद के चढ़ाये जाने वाली सामग्री तिरुपति बालाजी के गांव से आती है। यह गांव मंदिर से 23 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और यहाँ बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर प्रतिबंध है।

श्री वेंकेटेश्वर बालाजी मंदिर में एक ऐसा दीया रखा हुआ है जो हमेशा जलता रहता है और चौंकाने वाली बात यह है कि इस दीपक में कभी भी तेल या घी नहीं डाला जाता। दीपक को सबसे पहले किसने और कब प्रज्वलित किया था यह बात अब तक रहस्य बनी हुई है।

सर्दियों में लेना है स्नोफॉल का मजा तो जरूर जाएं भारत की इन 5 खूबसूरत जगहों पर

भारत में कई ऐसी जगहे हैं जो अपनी खूबसूरत वादियों और सर्दियों में बर्फबारी के लिए दुनियाभर में मशहूर हैं। अगर आप अपना विंटर वेकेशन प्लान कर रहे हैं और इस बार परिवार के साथ बर्फबारी का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो आज हम आपको ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं आप स्नोफॉल का मजा ले सकते हैं-

शिमला: स्नोफॉल का जिक्र होते ही हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला का नाम सबसे पहले जहन में आता है। यह स्नोफॉल के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां के हरे भरे पहाड़, ऊंची चोटियां ठंड के दिनों में बर्फ से पूरी तरह ढंककर और भी खूबसूरत दिखते हैं। शिमला को लॉन्ग मून नाइट्स यानी लंबी चांदनी रातों का मौसम भी कहा जाता है। दिसंबर से फरवरी के बीच यहां बर्फबारी का आनंद लिया जा सकता है। इस मौसम में आप यहां स्कींग का भी मज़ा ले सकते हैं। शिमला में आइस स्केटिंग दिसंबर से फरवरी तक होती है।

गुलमर्ग: धरती के स्वर्ग जम्मू-कश्मीर में स्थित गुलमर्ग बेहद खूबसूरत जगह है और यहां बर्फबारी का आनंद लेने का अनुभव बहुत खास होता है। सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में चारों तरफ बस बर्फ ही बर्फ दिखती है और इसकी खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में स्कीइंग करने वालों की भी भीड़ जुटती है। यहां की कुदरती खूबसूरती आपका मन मोह लेगी।

औली: उत्तराखंड का सबसे पुराना शहर औली बेहद सुंदर है। बर्फबारी के समय यह किसी स्वपनलोक सा दिखता है। औली भी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ स्कीइंग के लिए मशहूर है। यहां देवदार पेड़ों की लंबी कतार है। बर्फ से ढके जंगलों के बीच सैर करके आप अपनी यात्रा को यादगार बना सकते हैं।

कुफरी: शिमला के अलावा हिमाचल प्रदेश में स्थित कुफरी भी स्नोफॉल के दौरान बहुत सुंदर दिखता है और लोग यहां स्कींग के लिए आते हैं। सर्दियों के मौसम में यहां सैलानियों की काफी भीड़ जुटती है। यहां लोग पहाड़ों के बीच रोमांच का मज़ा लेते हैं। हाइकिंग, स्कीइंग, खूबसूरत नजारे, देवदार के लंबे-लंबे पेड़ और सुहानी सर्द हवा का मज़ा लेना है तो कुफरी ज़रूर जाएं।

कुल्लू-मनाली: पॉप्युलर हनीमून डेस्टिनेशन कुल्लू मनाली में भी बर्फबारी का मज़ा लिया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश का यह हिल स्टेशन भी लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है। रोमांच के शौकीनों की तो यह पहली पसंद है। दिसंबर जनवरी में आकर यहां आप भी स्नोफॉल का आनंद ले सकते हैं।

बंगाल रणजी टीम के 7 खिलाड़ियों को कोविड

आइसोलेशन में भेजे, टीम की तैयारियों को झटका

एजेंसी, कोलकाता। बंगाल रणजी टीम के 7 सदस्यों का कोविड-19 का परीक्षण पॉजिटिव आया है जिससे उसकी देश की शीर्ष घरेलू प्रतियोगिता की तैयारियों को करारा झटका लगा है। बंगाल को विदर्भ, राजस्थान, केरल, हरियाणा और त्रिपुरा के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। वह अपना पहला मैच 13 जनवरी से बेंगलुरू में त्रिपुरा के खिलाफ खेलेगा। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के सचिव स्नेहाशीष गांगुली ने बयान में कहा, 'महामारी की मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए बंगाल क्रिकेट संघ ने सुरक्षा उपाय के तौर बंगाल के सभी क्रिकेटरों के आरटीपीसीआर परीक्षण करवाये थे। उन्होंने कहा, 'परिणाम आ गये हैं तथा कुछ खिलाड़ियों का परीक्षण पॉजिटिव आया है। सीएबी इस संबंध में हर तरह की जरूरी सावधानियां बरत रहा है। सूत्रों के अनुसार 6 खिलाड़ियों सुदीप चटर्जी, अनुस्तुप मजूमदार, काजी जुनैद सैफी, गीत पुरी, प्रदीप्त प्रमाणिक, सुरजीत यादव और सहायक कोच सौराशीष लाहिड़ी को वायरस से संक्रमित पाया गया है। ये सातों सदस्य रविवार को साल्ट लेक में जाधवपुर विश्वविद्यालय में टीम के बीच आपस में खेले गये मैच के दौरान उपस्थित थे। सूत्रों ने कहा, ''वे कोविड के किस स्वरूप से संक्रमित हैं इसका पता अभी नहीं चल पाया है। दिशानिर्देशों के अनुरूप उन्हें अलग थलग कर दिया गया है। इस नये घटनाक्रम के कारण बंगाल का पृथ्वी सॉव की अगुवाई वाली मुंबई टीम के खिलाफ होने वाला 2 दिवसीय अभ्यास मैच रद्द कर दिया गया है। अभी यह तय नहीं है कि बंगाल दूसरे अभ्यास मैच में भाग लेगा या नहीं। सीएबी ने सभी स्थानीय टूर्नामेंट को रोकने का भी फैसला किया है और कोविड-19 की वर्तमान स्थिति की समीक्षा के लिए मंगलवार को शीर्ष परिषद की आपात बैठक बुलायी है। सीएबी के अध्यक्ष अविषेक डालमिया और सचिव स्नेहोशीष ने संयुक्त बयान में कहा, 'महामारी की मौजूदा स्थिति को देखते हुए बैठक के आयोजन तक सभी स्थानीय टूर्नामेंट को रोकने का फैसला किया गया है। इसमें कहा गया है, ''सीएबी ने इसके साथ ही 15 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के पंजीकृत खिलाड़ियों का टीकाकरण करवाने का भी निर्णय किया है। पश्चिम बंगाल में रविवार को कोविड-19 के 6153 मामले दर्ज किये गये थे जिसमें से कोलकाता में 3194 मामले थे।

एक साथ फिर मैदान में दिखेंगे सहवाग, युवराज और हरभजन, पाकिस्तान के खिलाड़ी भी होंगे शामिल

एजेंसी, नयी दिल्ली। वीरेंद्र सहवाग, युवराज सिंह और हरभजन सिंह उन कई पूर्व खिलाड़ियों में शामिल हैं जो 20 जनवरी से ओमान में शुरू होने वाले लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में इंडिया महाराजा टीम की तरफ से खेलेंगे। एलएलसी संन्यास ले चुके क्रिकेटरों की पेशेवर लीग है जिसमें तीन टीम भाग लेंगी। दो अन्य टीम एशिया और शेष विश्व की हैं। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री इस लीग के आयुक्त हैं। सहवाग, युवराज और हरभजन के अलावा इंडिया महाराजा टीम में इरफान पठान, यूसुफ पठान, बद्रीनाथ, आरपी सिंह, प्रज्ञान ओझा, नमन ओझा, मनप्रीत गोनी, हेमंग बदानी, वेणुगोपाल राव, मुनाफ पटेल, संजय बांगड़, नयन मोंगिया और अमित भंडारी शामिल हैं। एशिया लायन्स नाम की एशियाई टीम में पाकिस्तान और श्रीलंका के पूर्व दिग्गज शोएब अख्तर, शाहिद अफरीदी, सनथ जयसूर्या, मुथैया मुरलीधरन, कामरान अकमल, चमिंडा वास, रोमेश कालूवितर्णा, तिलकरत्ने दिलशान, अजहर महमूद, उपुल थरंगा, मिसबाह उल हक, मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, मोहम्मद यूसुफ और उमर गुल शामिल हैं। अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान भी एशियाई टीम का हिस्सा होंगे, जबकि तीसरी टीम के खिलाड़ियों की घोषणा की जानी बाकी है।

आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप पर छाया कोरोना का खतरा

जिम्बाब्वे के 4 युवा खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव

एजेंसी, बारबडोस। जिंबाब्वे की आगामी आईसीसी अंडर-19 विश्व कप की टीम के चार सदस्य कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं। देश के क्रिकेट बोर्ड ने इसकी पुष्टि की है। रविवार को यहां आयरलैंड की अंडर-19 के खिलाफसंपन्न हुई चार मैचों की युवा एकदिवसीय श्रृंखला में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों का सोमवार सुबह पीसीआर परीक्षण किया गया था। जिंबाब्वे क्रिकेट ने बयान में कहा, ''जिंबाब्वे क्रिकेट पुष्टि कर सकता है कि वेस्टइंडीज में होने वाले आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2022 की जिंबाब्वे अंडर-19 टीम में शामिल चार खिलाड़ी सोमवार सुबह पीसीआर परीक्षण में पॉजिटिव पाए गए हैं।'' इन चारों खिलाड़ियों में लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं और अभी पृथकवास से गुजर रहे हैं। सेंट किट्स एवं नेविस में जिंबाब्वे के अभ्यास मैच से पहले इन चारों खिलाड़ियों का दोबारा परीक्षण होगा। बयान के अनुसार, ''ये खिलाड़ी अभी अलग थलग हैं और इनका पुनरू परीक्षण होगा और उसके बाद ही ये सेंट किट्स एवं नेविस में बाकी खिलाड़ियों से जुड़ पाएंगे जहां टीम को नौ और 11 जनवरी को बासेटेरे में कनाडा और बांग्लादेश के खिलाफआधिकारिक अभ्यास मैच खेलने हैं। अभ्यास मैचों के बाद आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप खेला जाएगा।''यह टूर्नामेंट वेस्टइंडीज में 14 जनवरी से पांच फरवरी तक खेला जाएगा। जिंबाब्वे को ग्रुप सी में अफगानिस्तान, पाकिस्तान और पापुआ न्यू गिनी के साथ रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 16 जनवरी को अफगानिस्तान के खिलाफत्रिनिदाद एवं टोबैगो के डिएगो मार्टिन खेल परिसर में करेगी। इसी स्थल पर टीम 20 जनवरी को पापुआ न्यू गिनी से भिड़ेगी। जिंबाब्वे अपने अंतिम ग्रुप मैच में त्रिनिदाद एवं टोबैगो के ही क्वीन्स पार्क ओवल में 22 जनवरी को पाकिस्तान से भिड़ेगा।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका की टीम घोषिण

इन खिलाड़ियों को मिली जगह

एजेंसी, जोहानिसबर्ग। भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका टीम की घोषणा कर दी गई है। टेस्ट सीरीज में डेब्यू करने वाले युवा तेज गेंदबाज मार्को जेनसेन को वनडे सीरीज के लिए चयनकर्ताओं ने मौका देने का फैसला लिया है। भारत के खिलाफ रविवार को चुनी गई टीम में उनका नाम शमिल किया गया है। युवा तेज गेंदबाज मार्को जेनसेन को भारत के खिलाफ 19 जनवरी से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए 17 सदस्यीय दक्षिण अफ्रीकी टीम में शामिल किया गया है। 21 वर्ष के जेनसेन ने पिछले सप्ताह अपने पहले टेस्ट में पांच विकेट लिए थे। मेजबान टीम के कप्तान तेंबा बावुमा होंगे, जबकि केशव महाराज उप कप्तान होंगे। अनुभवी तेज गेंदबाज एनरिक नोर्त्जे कूल्हे की चोट के कारण वनडे सीरीज भी नहीं खेल सकेंगे। टीम में पूर्व कप्तान क्विंटन डिकाक भी हैं जिन्होंने भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया।दोनों टीमों के बीच पहला मैच 19 जनवरी को और दूसरा 21 जनवरी को पर्ल में खेले जाएंगे। तीसरा और आखिरी मैच 23 जनवरी को केपटाउन में होगा। दक्षिण अफ्रीका टीम - तेंबा बावुमा (कप्तान), केशव महाराज, क्विंटन डिकाक, जुबैर हमजा, मार्को जेनसेन, जानेमन मलान, सिसांडा मगाला, एडेन मार्करैम, डेविड मिलर, लुंगी नगिदी, वायने परनेल, एंडिले फे लुक्रायो, ड्वेन प्रिटोरियस, कैगिसो रबादा, तबरेज शम्सी, रासी वेन डेर डुसेन, काइल वेरेन्ने। भारत के मुख्य चयनकर्ता ने 31 दिसंबर को 18 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा वनडे सीरीज के लिए की थी। चोटिल रोहित शर्मा वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे उनकी जगह केएल राहुल को कप्तानी की जिम्मा देने का फैसला लिया गया। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सीरीज के दौरान टीम के उप कप्तान होंगे।

एयर स्पोर्ट्स' के लिए खेल नीति बनाएगी सरकार

एजेंसी, नयी दिल्ली । सरकार 'एयर स्पोर्ट्स' के लिए राष्ट्रीय खेल नीति तैयार करने के साथ इस तरह के खेलों के लिए एक शीर्ष निकाय के गठन की योजना बना रही है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने राष्ट्रीय एयर स्पोर्ट्स नीति (एनएएसपी 2022) के मसौदे पर 31 जनवरी तक जनता से टिप्पणी मांगी है। मंत्रालय के अनुसार उसकी योजना 'एयर स्पोर्ट्स' को 'सुरक्षित, सस्ता, सुलभ, आनंददायक और टिकाऊ' बनाकर बढ़ावा देना है। नीति में 'एरोबेटिक्स', 'एरोमॉडलिंग', 'अमेच्योर बिल्ट' और प्रायोगिक विमान के साथ 'बैलूनिंग', 'ड्रोन', 'स्काईडाइविंग' और 'विंटेज विमान' जैसे खेल शामिल होंगे। इस नीति के तहत, एक भारतीय 'एयर स्पोर्ट्स' महासंघ (एएसएफ आई) को सर्वोच्च शासी निकाय के रूप में स्थापित किया जाएगा, जबकि प्रत्येक 'एयर स्पोर्ट्स' के लिए अलग-अलग संघ दैनिक गतिविधियों को संभालेंगे। सभी 'एयर स्पोर्ट्स' संघ एएसएफ आई के प्रति जवाबदेह होंगे। इसके अलावा, एएसएफआई इस खेल की अंतरराष्ट्रीय निकाय एफ एआई (फेडरेशन एरोनॉटिक इंटरनेशनेल यानी अंतरराष्ट्रीय एरोनॉटिक महासंघ) और एयर स्पोर्ट्स से संबंधित अन्य वैश्विक मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। एफएआई का मुख्यालय स्विट्जरलैंड के लुसाने में है मंत्रालय ने कहा' उसका दृष्टिकोण 2030 तक भारत को शीर्ष 'एयर स्पोर्ट्स' देशों में से एक बनाना है। इस मसौदे को एक समिति द्वारा तैयार किया गया है जिसमें केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, भारतीय सशस्त्र बल, 'एयरो क्लब ऑफ इंडिया', राष्ट्रीय कैडेट कोर और 'एयर स्पोर्ट्स' के विशेषज्ञ शामिल हैं।

सौराष्ट्र के पूर्व क्रिकेटर अंबाप्रताप सिंह जडेजा का कोविड के कारण निधन, क्रिकेट जगत में शोक की लहर

एजेंसी, राजकोट। सौराष्ट्र के पूर्व क्रिकेटर अंबप्रतापसिंहजी जडेजा का को कोविड-19 संक्रमण से निधन हो गया। वह 69 वर्ष के थे। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ (एससीए) ने यह जानकारी दी। एससीए ने यहां जारी बयान में कहा, सौराष्ट्र क्रिकेट संघ में हर कोई सौराष्ट्र के पूर्व क्रिकेटर अंबाप्रतापसिंहजी जडेजा के निधन पर शोक में है। उनका कोविड-19 से जूझते हुए आज तड़के वलसाड में निधन हो गया।'' जामनगर के रहने वाले जडेजा मध्यम गति के तेज गेंदबाज और दायें हाथ के बल्लेबाज थे। उन्होंने सौराष्ट्र की तरफ से रणजी ट्रॉफी में आठ मैच खेले थे। वह गुजरात पुलिस के सेवानिवृत्त डीएसपी थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व सचिव निरंजन शाह ने शोक संदेश में कहा, अंबप्रतापसिंहजी एक शानदार खिलाड़ी थे और मेरी उनके साथ क्रिकेट पर कई बार अच्छी बातचीत हुई। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे।

13 साल के यशवर्धन का धमाका

4 मैच में बना डाले 1000 से ज्यादा रन, झटकी हैट्रिक

एजेंसी, इंदौर। भारतीय क्रिकेट हमेशा से ही बल्लेबाजों के मामले मे धनी रहा है। विश्व कप क्रिकेट को भारत ने एक से बढ़कर एक धुरंधर बल्लेबाज दिए हैं। क्रिकेट के भगवान का दर्जा हालिल कर चुके सचिन तेंदुलकर ने पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर की बल्लेबाजी विरासत को आगे बढ़ेते हुए दुनिया भर में डंका बजाया। अब मप्र के चंबल संभाग के एक 13 साल के बच्चे यशवर्धन चौहान के बल्ले से लगातार ऐसी पारियां फूट रही हैं जिसने उनको चर्चा में ला दिया है। क्रिकेट के भगवान पुकारे जाने वाले सचिन तेंदुलकर की चमक दुनिया ने करीब 33 साल पहले तब देखी थी जब उन्होंने 14 साल की उम्र में नाबाद 326 रनों की पारी खेली थी और विनोद कांबली (349 नाबाद) के साथ 664 रनों की साझेदारी की थी। तब सचिन ने सिर्फएक तिहरा शतक लगाया था। यशवर्धन ने इंदौर संभाग के खिलाफ391 रन बनाए। इसके पहले वे 425 और 235 रनों की पारियां भी खेल चुके हैं। साथ ही गेंद से भी कमाल दिखाते हुए हैट्रिक ली। चंबल का नाम सुनते ही आंखों के सामने बीहड़ों के दृश्य अनायास ही आ जाते हैं। हाथों में बंदूक लिए बागियों के इस इलाके से अब हाथों में बल्ला लिए एक बच्चा नाम कमा रहा है। मप्र क्रिकेट संगठन (एमपीसीए) द्वारा आयोजित एडब्ल्यू कनमड़ीकर ट्राफी (अंडर-13) में यशवर्धन लगातार बड़ी पारियां खेल रहे हैं। कम उम्र में विकेट पर टिककर दो दिनों तक बल्लेबाजी करते हैं। रविवार को इंदौर जैसी मजबूत टीम के खिलाफ391 रनों की पारी खेलने के बाद गेंदबाजी करते हुए छह विकेट चटकाए। इसमें हैट्रिक शामिल है। नईदुनिया से चर्चा करते हुए यशवर्धन चौहान ने कहा- मैं रोज साढ़े तीन घंटे फिटनेस पर बिताता हूं। इस कारण लगातार दो दिनों तक बल्लेबाजी करते हुए भी पैर नहीं कांपते, न थकान महसूस होती है। मैं दिन में अधिकांश समय क्रिकेट का ही अभ्यास करता हूं। फिटनेस के बाद फील्डिंग का अभ्यास और फिर बल्लेबाजी व गेंदबाजी का अभ्यास करता हूं। दाएं हाथ से ऑफ ब्रेक गेंदबाजी करने वाले यशवर्धन अब तक टूर्नामेंट में चार मैचों में 13 विकेट चटका चुके हैं। अब तक चार मैचों में 1098 रन बना चुका है, जिसमें 200 से ज्यादा चौके हैं। मगर छक्का एक भी नहीं है। इतने रन किसी बल्लेबाज ने इस टूर्नामेंट में नहीं बनाए। इस बारे में यशवर्धन ने बताया मैं जब क्रीज पर पहुंचता हूं तो सोचता हूं कि 100 रन सिर्फसिंगल या डबल से बनाना हैं। चौका लगाने की तुलना में छक्का मारने में सिर्फदो रन ज्यादा मिलते हैं और आउट होने का जोखिम होता है।